twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 02 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 257, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

युद्ध के दौरान लापरवाही या चूक की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए नागरिक और सैन्य कर्मियों के बीच तालमेल बढ़ाने का आह्वान

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज के अनिश्चित समय में सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए नागरिक और सैन्य कर्मियों के बीच तालमेल बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के पीछे रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों से सशस्त्र बलों को दिए गए समर्थन को मुख्य वजह बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध सिर्फ सेना नहीं लड़ती, बल्कि पूरा देश लड़ता है और आज के तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य में हम जरा सी भी लापरवाही या चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ सकते। रक्षा मंत्री शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में 84वें सशस्त्र बल मुख्यालय नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मजबूत सैन्य शक्ति के लिए एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के अनिवार्य होने पर जोर देते हुए राजनाथ सिंह ने युद्ध और शांति काल में देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाने के लिए वायु? सेना को सराहा। रक्षा मंत्री ने वायु सेना मुख्यालय के अधिकारियों से सर्वोत्तम प्रणालियों का आकलन करने और उन्हें अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियां, नई चुनौतियां और बदलते वैश्विक परिदृश्य इस बात का संकेत हैं कि प्रशिक्षण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि विकास का एक सतत चक्र

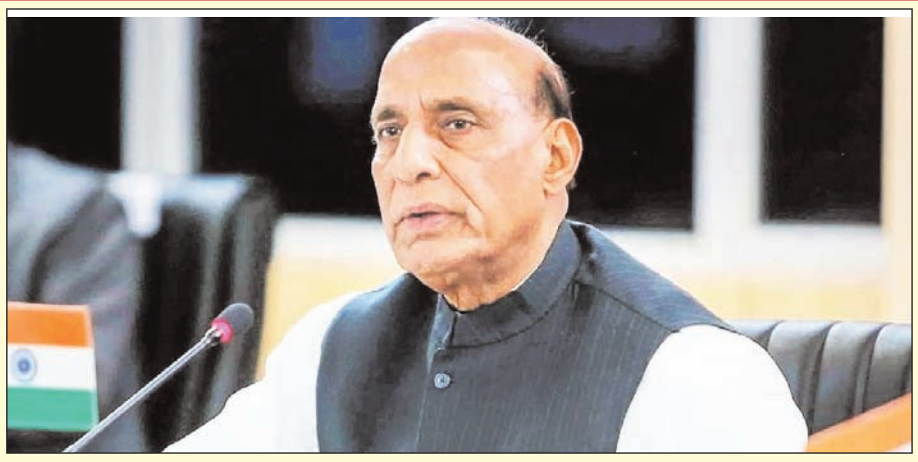

होना चाहिए। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने संयुक्त सचिव एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय की पुनर्विकसित वेबसाइट का शुभारंभ किया, जिससे कर्मचारियों और आम जनता को कार्यालय से संबंधित सभी प्रासंगिक जानकारी मिल सकेंगी। यहां कर्मचारी पदोन्नति, स्थानांतरण, चिकित्सा भत्ते की स्थिति, वेतन पर्ची और फॉर्म-16 आदि जैसे अपडेट मिलेंगे। रक्षा मंत्री ने वायु सेना मुख्यालय के कार्मिकों को खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया तथा कर्मचारियों के कुछ बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार दिए। राजनाथ सिंह ने 'विकसित भारत@2047: कर्मचारियों के विचार' पुस्तक और 'संवाद' पत्रिका का भी विमोचन किया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, सचिव (पूर्व-सैनिक कल्याण) डॉ. नितेन चंद्रा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के

कांग्रेस ने मालेगांव मामले में हिन्दुओं को अपमानित किया: भाजपा

नई दिल्ली। मालेगांव बम विस्फोट मामले की जांच कर रही एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर के खुलासे के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस ने मालेगांव मामले में भगवा आतंकवाद के नैरेटिव को फैलाने की कोशिश की। हिन्दुओं को अपमानित किया। भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कल मालेगांव मामले में कोर्ट का जो फैसला आया है, उससे ये नैरेटिव औंधे मुंह गिर गया है। मालेगांव मामले में आज 2 नए डेवलमेंट हुए हैं। मालेगांव ब्लास्ट के दौरान जो एटीएस थी, जिसने जांच की थी, उसके एक अधिकारी महबूब मुजावर का एक खुलासा हुआ है, ये खुलासा बहुत ही चौंकाने वाला है। दूसरा- राहुल गांधी के कहने पर महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण बयान।

फिच ने भारत के जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.3 फीसदी किया

नई दिल्ली

देश की अर्थव्यवस्था को लेकर फिच रेटिंग्स ने नया अनुमान जारी किया है। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जतााया था। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को जारी इंडिया कॉरपोरेट्स क्रेडिट ट्रेंड्स रिपोर्ट में कहा, "हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 फीसदी रहेगी।" हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च टैरिफ का भारतीय कंपनियों पर सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव दिखाई देता है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचागत खर्च से सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण (ईएंडसी) कंपनियों की मांग में मजबूती आएगी। फिच ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के बारे में कहा कि उसे उम्मीद है कि उच्च अमेरिकी टैरिफ से उसके द्वारा रेटिंग प्राप्त भारतीय कंपनियों पर "सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव" पड़ेगा, क्योंकि अमेरिकी निर्यात जोखिम सामान्यतः कम से मध्यम स्तर का है। उल्लेखनीय है रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली

भारत 15 अगस्त को अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिए जाने वाले अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए देशवासियों से विचार और सुझाव आमंत्रित किए हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में कहा, जैसे-जैसे हम इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस के निकट पहुंच रहे हैं, मैं अपने साथी भारतीयों के विचार सुनने के लिए उत्सुक हूं।

कई विपक्षी दलों के नेता भी अब राहुल गांधी के रवैये से परेशान हैं : रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला।उन्होंने कहा कि वह देश विरोधी बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष के भीतर भी राहुल गांधी के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है। रिजिजू ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को धमकी दे रहे हैं। यह एक गहरी साजिश है, जो लोकतंत्र को कमजोर करने की ओर इशारा करती है। इस तरह का रवैया देश के लिए बेहद खतरनाक है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि कई विपक्षी दलों के नेता भी अब राहुल गांधी के रवैये से परेशान हैं। लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी एक गंदा खेल खेल रहे हैं और देश की छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। रिजिजू ने राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद और लोकतंत्र को कमजोर करने वाला बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष एक सोची-समझी साजिश के तहत देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। रिजिजू ने राहुल गांधी द्वारा बार-बार विदेशों और संसद में दिए जा रहे

बयानों को भारत विरोधी बताते हुए कहा कि राहुल गांधी कोई बच्चे नहीं हैं। विपक्ष के एक जिम्मेदार नेता के रूप में यह उनका कर्तव्य बनता है कि वे देश विरोधी बयान न दें। भारत की अर्थव्यवस्था और छवि के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना कतई उचित नहीं है। संसद के मानसून सत्र को लेकर रिजिजू ने कहा कि पहले ही दिन से विपक्ष हंगामे पर उतारू है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मांग पर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराई गई, जिसमें सभी दलों ने भाग लिया। लेकिन जब अन्य मुद्दों पर चर्चा की बारी आई तो विपक्ष वेल में आ गया और संसद की कार्यवाही बाधित की। यह आरोप गलत है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि संसद के बार-बार स्थगित होने का सबसे बड़ा नुकसान विपक्षी सांसदों को हो रहा है, क्योंकि वे जनता के सवाल नहीं उठा पा रहे हैं। एसआईआर (संवैधानिक संस्था द्वारा की जाने वाली प्रक्रिया) पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर रिजिजू ने कहा कि सरकार नियमों के अनुसार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार है, लेकिन एसआईआर पर चर्चा संभव नहीं क्योंकि यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है।

रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती से काम कर रही है और विपक्ष को भी लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखते हुए संसद में रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को, नामांकन 7 से 21 अगस्त तक: निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रमों की शुक्रवार को घोषणा कर दी। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर मतदान 9 सितंबर को कराया जाएगा। चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी होगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, चुनाव की अधिसूचना 7 अगस्त को जारी होगी और 21 अगस्त तक नामांकन की अंतिम तिथि है। नामांकन की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और 25 अगस्त तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर 9 सितंबर को संसद भवन में मतदान होगा और उसी दिन मतगणना भी

होगी।

उपराष्ट्रपति पद के लिए एक निर्वाचन मंडल बनाया जाता है। इसमें राज्यसभा के निर्वाचित और नामित सदस्य तथा लोकसभा के निर्वाचित सदस्य होते हैं। यही मतदान करते हैं। मतदान के लिए राजनीतिक दल अपने सदस्यों को व्हीप जारी नहीं कर सकते। आयोग के अनुसार, राज्यसभा में 233 में से पांच सीटें रिक्त हैं तथा 12 मनोनीत सदस्य हैं। लोकसभा में 543 सदस्य हैं और एक सीट रिक्त है। यानी लोकसभा और राज्यसभा की कुल 788 सीटों में से 6 सीटें रिक्त हैं। 782 सदस्यों का निर्वाचन मंडल उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान करेगा। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल किया जाता है और आयोग ही पेन भी मुहैया कराता है। चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराता है। आयोग ने राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव का रिटर्निंग अफसर नियुक्त किया है।

एसआईआर के मुद्दे पर संसद में विपक्ष का जबरदस्त हंगामा

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण शुक्रवार को कोई कामकाज नहीं हो सका और एक-एक बार के स्थगन के बाद कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर सोमवार सुबह 11 बजे तक लिए स्थगित कर दी गयी। दूसरी ओर लोकसभा में कार्यवाही पहले 2 बजे और बाद में सोमवार के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू

होते ही बिहार के संदर्भ में एसआईआर को लेकर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच आम आदमी पार्टी के सदस्य अशोक कुमार मित्तल ने अस्पतालों में भीड़ का मुद्दा उठाया। हंगामा फिर भी नहीं थमा। इसके बाद सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही 12 बजे दोबारा शुरू होने पर भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। पीठासीन अधिकारी घनश्याम तिवाड़ी ने प्रश्नकाल को शुरूआत की।

पहले प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव जवाब के लिए उठे लेकिन हंगामे के कारण कार्यवाही चल नहीं सकी, जिसके बाद कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के शोर-शराबे और तख्तियां लेकर आने पर आपत्ति जताई। बिरला ने सदस्यों से प्रश्नकाल को चलने देने का आग्रह किया लेकिन हंगामा जारी रहा जिसके बाद कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

अमेरिका की टैरिफ धमकियों को भारत ने किया नजरअंदाज

नई दिल्ली

भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ बढ़ोतरी की धमकियों के संदर्भ में शुक्रवार को कहा कि दोनों देशों के बीच साझा हितों पर आधारित वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। हमारा ध्यान द्विपक्षीय संबंधों के ठोस एजेंडे पर केन्द्रित है। हमें विश्वास है कि यह रिश्ते आगे बढ़ते रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते हुए तेवर को ज्यादा तूल नहीं देते हुए साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में उक्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और दोनों देशों की जनता के मेल-मिलाप पर आधारित हैं।

यह एक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जिसने विगत वर्षों में अनेक बदलाव और चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंध ठोस एजेंडे पर केन्द्रित हैं तथा हमारा विश्वास है कि इन संबंधों में आगे विकास होता रहेगा। भारत-रूस संबंधों के बारे में राष्ट्रपति ट्रम्प की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि किसी भी देश के साथ हमारे संबंध आपसी हितों पर आधारित हैं तथा इन्हें किसी तीसरे देश (रूस) के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के रूस से कच्चा तेल खरीदे जाने पर ऐतराज जताया था तथा आयात शुल्क वृद्धि और अतिरिक्त पेनल्टी लगाने की चेतावनी दी थी। भारत-रूस संबंधों पर प्रवक्ता ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी स्थिर है तथा समय की कसौटी पर खरी उतरी है। अमेरिका की चेतावनी का सीधे रूप से उल्लेख न करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के संबंध में हमारा दृष्टिकोण जग जाहिर है। हम बाजार में उपलब्ध संसाधन और अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर नजर रखते हैं।

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा: शाहरुख पहली बार बेस्ट एक्टर: 12वीं फेल के लिए विक्रांत को भी अवॉर्ड

नई दिल्ली

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में की गई। इन पुरस्कारों के लिए, 1 जनवरी, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 के बीच केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणन पाने वाली फिल्में शामिल हैं। 2023 भारतीय सिनेमा के लिए सबसे सफल वर्षों में से एक था। 2023 में पठान, एनिमल, 12वीं फेल, ओएमजी 2,

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, द केरल स्टोरी, जैसी मशहूर फिल्में रिलीज हुई थीं। वहीं तेलुगु सिनेमा में सीता रामम, मंथ ऑफ मधु, बलागम, दशहरा जैसी फिल्में शामिल हैं। तमिल सिनेमा में जेलर और लियो जैसी फिल्में बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुईं। नानपाकल नेरथु मयाक्कम, 2018 एवरीवन इज ए हीरो, इरट्टा, कैथल - द कोर, अदृष्य जलकंगल जैसी मलयालम फिल्में भी 2023 में रिलीज हुईं।

विनर्स की लिस्ट-

1. **बेस्ट एक्टर- शाहरुख खान (जवान) और विक्रांत मैसी (12वीं फेल)**
2. बेस्ट एक्ट्रेस- रानी मुखर्जी
3. बेस्ट फीचर फिल्म- 12वीं फेल
4. बेस्ट सिनेमैटोग्राफी- द केरल स्टोरी

अनिल अंबानी को ईडी ने पूछताछ के लिए भेजा समन

नई दिल्ली

रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित 17,000 करोड़ के लोन फ्रॉड केस की चल रही जांच के सिलसिले में पूछताछ के लिए तलब किया है। अनिल अंबानी को आगामी 5 अगस्त को ईडी के सामने पेश होना होगा, जहां उनसे इस केस से जुड़े मामले में पूछताछ की जाएगी। जानकारी के अनुसार, अंबानी को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। बताया जा रहा है कि एजेंसी उनके बयान दर्ज करने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज करेगी। जानकारी दें कि अनिल अंबानी को ये समन ईडी द्वारा पिछले सप्ताह उनके व्यावसायिक समूह की कई कंपनियों और अधिकारियों के खिलाफ छापेमारी के बाद आया है। बता दें कि इससे पहले 24 जुलाई को शुरू हुई यह छापेमारी तीन दिनों तक चली।

जुलाई में जीएसटी संग्रह 7.5 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा। सालाना आधार पर इसमें 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। जुलाई 2024 में 1.82 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ था। जीएसटी महानिदेशालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.5 फीसदी की वृद्धि है। इस साल जून के मुकाबले जुलाई का जीएसटी संग्रह 11 हजार करोड़ रुपये

बढ़ा है। पिछले महीने जून में 1.84 लाख करोड़ रुपये जीएसटी वसूला गया था। जुलाई के जीएसटी संग्रह में एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) से 99,250 करोड़ रुपये, केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 33,450 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) से 41,600 करोड़ रुपये और उपकर से 21,700 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इस दौरान रिफंड 66.8 फीसदी बढ़कर 27,147 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पहले 16,275 करोड़ रुपये था। जीएसटी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार आयात से प्राप्त आईजीएसटी में 10.3 फीसदी की वृद्धि हुई, जो मजबूत सीमा-पार व्यापार को दशार्ता है। घरेलू रिफंड में 117.6 फीसदी की वृद्धि हुई तथा निर्यात-संबंधी रिफंड में 20 फीसदी की वृद्धि हुई। यह आंकड़ा निरंतर आर्थिक गतिविधि और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर अनुपालन को दशार्ता है। उल्लेखनीय है कि लगातार सातवें महीने जीएसटी संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा है, लेकिन यह वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में प्राप्त 2.1 लाख करोड़ रुपये के औसत से कम था। अप्रैल में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 2.37 लाख करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पिछले महीने जीएसटी लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं।

चंडीगढ़ मेट्रो परियोजना के लिए अभी तक कोई डीपीआर नहीं, केंद्र ने लोकसभा में खुलासा किया

एजेंसी

चंडीगढ़। लोकसभा में चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी को एक लिखित जवाब में, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने पुष्टि की है कि लंबे समय से प्रतीक्षित चंडीगढ़ मेट्रो परियोजना के लिए अभी तक कोई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र सरकार को प्रस्तुत नहीं की गई है। राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि चंडीगढ़ के लिए एकीकृत मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (यूएमटीए) का गठन 28 अप्रैल, 2023 को किया गया था। तब से, इसने केवल तीन बैठकें की हैं - 18 जुलाई, 2023 को; 13 दिसंबर, 2023; और 2 सितंबर, 2024 को। हालांकि, मिनट सहित इन बैठकों का परिणाम मंत्रालय की प्रतिक्रिया में प्रदान नहीं किया गया था।इसके अलावा, जवाब में स्पष्ट किया गया कि मेट्रो परियोजना के संबंध में पंजाब, हरियाणा और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की सरकारों द्वारा केंद्र को कोई संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसने यह भी कहा कि RITES के नेतृत्व वाली व्यवहार्यता समिति के निष्कर्षों की समीक्षा नहीं की गई है, और औपचारिक रूप से कोई महत्वपूर्ण सिफारिशें प्राप्त नहीं हुई हैं। मंत्रालय ने दोहराया कि शहरी परिवहन बुनियादी ढांचे की योजना बनाना और विकसित करना संबंधित केंद्र शासित प्रदेशों के

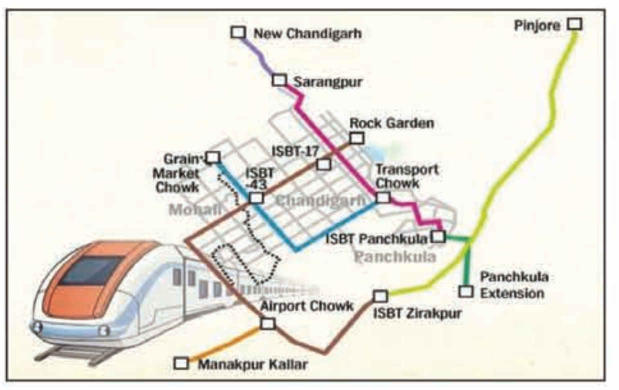

प्रशासनों की ज़िम्मेदारी है। इसमें कहा गया है कि केंद्र केवल तभी वित्तीय सहायता पर विचार कर सकता है जब एक व्यवहार्य प्रस्ताव औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन होता है। सरकार की प्रतिक्रिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सांसद मनीष तिवारी ने निष्क्रियता पर बहुत निराशा व्यक्त की। एक बयान में उन्होंने कहा, चंडीगढ़ मेट्रो परियोजना की नवीनतम स्थिति के बारे में मेरे प्रश्न के उत्तर में, उत्तर एकीकृत मेट्रो परिवहन प्राधिकरण की पूर्ण अक्षमता को रेखांकित करता है। अब दो साल से अधिक समय से अस्तित्व में होने के बावजूद, वे एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में भी विफल रहे हैं। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ और पंजाब और हरियाणा सरकारों के प्रशासन के लिए यह स्पष्ट रूप से कहने का समय आ गया है कि वे चार शहरों चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला और न्यू चंडीगढ़ के लिए मेट्रो परियोजना चाहते हैं या नहीं। विलंब, हिचकिचाहट, अस्पष्टता और छल अब नहीं चलेगा। निचली पंक्ति - क्या आप मेट्रो चाहते हैं या नहीं? हाँ या नहीं। ट्राइसिटी क्षेत्र में शहरी भीड़भाड़ बढ़ने के साथ, अब सभी हितधारकों पर देरी को रोकने और बहुत ज़रूरी मेट्रो रेल परियोजना पर स्पष्ट रुख अपनाने के लिए दबाव बढ़ रहा है।

बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत, दिल्ली-एनसीआर की हवा हुई स्वच्छ, कई इलाकों में एक्यूआई 50 से नीचे

एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश ने एक तरफ गर्मी से लोगों को निजात दिलाई है तो दूसरी तरफ वायु गुणवत्ता में भी ऐतिहासिक सुधार देखने को मिल रहा है। दिल्ली के कुछ ऐसे इलाके हैं जहां पर एक्यूआई 50 के नीचे है, यानी की 'अति उत्तम' श्रेणी में इसे गिना जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर जलभराव और ट्रैफिक की समस्या नगर निगमों और प्रशासन के लिए कड़ी चुनौती बनी हुई है। घरों से निकलने वाले लोग घंटे तक

जाम में फंसने के कारण अपने गंतव्य तक सही समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। बारिश ने न केवल लोगों को गर्मी से राहत दी है, बल्कि प्रदूषण के स्तर को भी काफी हद तक कम कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई को कई निगरानी स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 50 से नीचे दर्ज किया गया है। दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों की बात करें तो अलीपुर (28), मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (38), बवाना (36), नरेला और नेहरू नगर (दोनों 48), इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद (31), और नोएडा सेक्टर-62 व सेक्टर-1 (34) जैसे स्थानों की हवा बेहद स्वच्छ श्रेणी में आ गई है। यह स्तर कई बार पहाड़ी क्षेत्रों की हवा के स्तर से भी बेहतर माना जाता है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 31 जुलाई से 5 अगस्त तक लगातार बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। 1 से 3 अगस्त तक गरज-चमक के साथ तेज बारिश की भी संभावना जताई गई है। अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, वहीं ह्यूमिडिटी 95 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। सड़कों पर लंबा जाम लगा है और आवागमन बाधित हुआ है, जिससे दफ्तर जाने वाले लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी है।

अमृत भारत ट्रेन में विश्व स्तर की सुविधायें उपलब्ध करायी गयी हैं: वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोक सभा में बताया कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन में वैश्विक स्तर की सुविधायें उपलब्ध करायी गयी हैं और विभिन्न क्षेत्रों से इस ट्रेन और वंदे भारत ट्रेन को चलाने की मांग बढ़ रही है। श्री वैष्णव ने प्रश्न काल में एक सवाल के जवाब में बताया कि मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए चलायी जाने वाली अमृत भारत ट्रेन में सीसीटीवी कैमरे, नये डिजाइन के शौचालय, मोबाइल फोन चार्जिंग आदि सुविधायें उपलब्ध करायी गयी हैं।

इस ट्रेन और वंदे भारत ट्रेन चलाने की मांग देश के विभिन्न क्षेत्रों से निरंतर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि तीन वर्ष में वंदे भारत ट्रेन की 144 सेवायें संचालित करा दी गयी हैं। पूरे भारत को वंदे भारत की सेवा से कवर कर लिया गया है। रेल मंत्री ने आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर के प्रश्न के उत्तर में बताया कि केरल में रेल सेवा विस्तार के लिये बहुत काम किया गया है। प्रदेश में रेल सेवा विस्तार के लिए मोदी सरकार के कार्यकाल में जितना काम हुआ हैं, उतना कार्य 60 वर्षों में भी नहीं किया गया था। केरल में रेल सेवा विस्तार के लिए आगे भी और कार्य किये जायेंगे।

ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ पर प्रियंका गांधी ने कहा-टैरिफ और युद्ध दोनों पर सरकार को देना होगा जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा और भारत-पाकिस्तान युद्ध संबंधी विवादास्पद बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने दोनों मुद्दों पर केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को देश के सामने जवाब देना चाहिए।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, सबने देखा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने क्या कहा है। उन्होंने टैरिफ के बारे में बात की, जंग के बारे में फिर से कहा कि उनके कहने पर भारत और पाकिस्तान ने जंग रोकी। दोनों बातों पर सरकार को जवाब देना पड़ेगा। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लिए बहुत बड़ा झटका है। 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रंप' का कोई फ़ायदा नहीं हुआ। राष्ट्रपति ट्रंप 30 बार कह चुके हैं कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाया था और इसलिए रुकवाया ताकि अच्छी ट्रेड डील हो सके। अब 25त्र टैरिफ की घोषणा हो गई है और जुर्माना भी लगेगा।ऐसे में सवाल है कि इस दोस्ती से हमें क्या मिला? सवाल ये भी कि अमेरिका कौन होता है- हमें ये बताने के लिए हम कहां से क्या खरीदेंगे? यह हमारे देश, हमारी अर्थव्यवस्था और प्रधानमंत्री के लिए बहुत बड़ा झटका है, लेकिन प्रधानमंत्री को डरना नहीं चाहिए, उन्हें डटकर देशहित ऊपर रखना चाहिए। ये अमेरिका का ब्लैकमेल है।

मालेगांव बम ब्लास्ट मामला : सबूतों को अभाव में सभी 7 आरोपी बरी,17 साल बाद आया फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली । 2008 मालेगांव बम धमाकों से जुड़े बहुचर्चित मामले में 17 साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आखिरकार फैसला आ गया। विशेष एनआईए अदालत ने सबूतों के अभाव में सभी 7 आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। एनआईए कोर्ट ने 2008 मालेगांव बम विस्फोट मामले में फैसला सुनाया 7 'श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं है। पंचनामा करते समय जांच अधिकारी द्वारा घटनास्थल का कोई स्केच नहीं बनाया गया था। घटनास्थल से कोई फिंगरप्रिंट, डंप डेटा या कुछ भी एकत्र नहीं किया गया था। नमूने दूषित थे, इसलिए रिपोर्ट निर्णायक नहीं हो सकती और विश्वसनीय नहीं हैं। विस्फोट में कथित रूप से शामिल बाइक का चेसिस नंबर स्पष्ट नहीं था। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले यह साध्वी प्रज्ञा के कब्जे में थी,' अदालत ने कहा एनआईए

कोर्ट ने 2008 मालेगांव बम विस्फोट मामले में फैसला सुनाया 7 इस मामले में,क्लागू नहीं किया जाएगा क्योंकि नियमों के अनुसार मंजूरी नहीं ली गई थी। मामले में UAPA के दोनों मंजूरी आदेश दोषपूर्ण हैं। कोर्ट ने कहा इस पूरे मामले में भोपाल से बीजेपी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा को मुख्य आरोपी बनाया गया था. ये ब्लास्ट 29 सितंबर 2008 को हुआ था. कोर्ट ने अपने फैसले में माना कि NIA तमाम आरोपों को साबित करने में नाकाम रही है. 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में रमजान के पवित्र महीने में और नवरात्रि से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ। इस धमाके में छह लोगों की जान चली गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एक दशक तक चले मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 गवाहों से पूछताछ की, जिनमें से 34 अपने बयान से पलट गए।

शुरुआत में, इस मामले की जांच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने की थी। हालांकि, 2011 में एनआईए को जांच सौंप दी गई। 2016 में एनआईए ने अपर्याप्त सबूतों का हवाला देते हुए प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कई अन्य आरोपियों को बरी करते हुए एक आरोप पत्र दाखिल किया था ।

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के प्रमुख प्रावधान 1 अगस्त से होंगे लागू

एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 अगले महीने 1 अगस्त से लागू होगा। इस अधिनियम का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासनिक मानकों में सुधार लाना और जमाकर्ताओं व निवेशकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस वर्ष 15 अप्रैल को अधिसूचित इस अधिनियम का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ऑडिट क्वालिटी में सुधार लाना और सहकारी बैंकों में निदेशकों (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशकों को छोड़कर) का कार्यकाल बढ़ाना है।

इस अधिनियम के प्रावधानों का उद्देश्य पर्याप्त ब्याज की सीमा को 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए करना है, जो 1968 से अपरिवर्तित रही सीमा को संशोधित करता है।

इसके अलावा, ये प्रावधान सहकारी बैंकों में निदेशकों के कार्यकाल को 97वें संविधान संशोधन के अनुरूप बनाते हैं, जिसमें अधिकतम कार्यकाल 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष (अध्यक्ष और

पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर) कर दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अब बिना दावे वाले शेयरों, ब्याज और बॉन्ड रिडेम्पशन राशि को इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) में ट्रांसफर करने की अनुमति होगी, जिससे वे कंपनी अधिनियम के तहत कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं के अनुरूप हो जाएंगे। ये संशोधन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैधानिक लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक प्रदान करने, उच्च-गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षा पेशेवरों की नियुक्ति को सुगम बनाने और लेखा परीक्षा मानकों को बेहतर बनाने का अधिकार भी देते हैं।

मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि इन प्रावधानों का कार्यान्वयन भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के कानूनी, नियामक और प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 में पांच कानूनों भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955, और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1970 और 1980 में कुल 19 संशोधन शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 (2025 की 16) की धारा 3, 4, 5, 15, 16, 17, 18, 19 और 20 के प्रावधानों के लागू होने की तिथि 1 अगस्त, 2025 अधिसूचित की है, जैसा कि 29 जुलाई, 2025 की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया है।

सरकार अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए उठायेगी सभी आवश्यक कदम: वाणिज्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । सरकार ने अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाये जाने पर कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देश के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के हितों की रक्षा को सर्वोच्च महत्व देती है। आयात शुल्क पर ट्रंप सरकार के फैसले के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने द्विपक्षीय व्यापार के बारे में अमेरिका के राष्ट्रपति के एक बयान को देखा है। सरकार उसके निहितार्थों का अध्ययन कर रही है। बयान में कहा गया है कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीने से एक न्यायोचित, संतुलित और परस्पर लाभदायक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत में लगे हुये हैं। हम इस उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सरकार की ओर से कहा गया है कि वह देश के किसानों, उद्यमियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योमों के कल्याण के

संवर्धन और उनके हितों की रक्षा को सर्वोच्च महत्व देती है। सरकार अन्य सभी व्यापार समझौतों में अपने राष्ट्रीय हितों की हिफाजत के लिए हर आवश्यक कदम उठायेगी जिनमें हाल में ब्रिटेन के साथ हुआ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर को 10 बीआरएस विधायकों की अयोग्यता पर 3 महीने में फैसला लेने का निर्देश दिया

एजेंसी

नई दिल्ली । तेलंगाना में बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को तीन महीने में फैसला लेने का निर्देश दिया है। इन 10 बीआरएस विधायकों ने कांग्रेस पार्टी ज्वॉइन की थी, लेकिन तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष ने इनकी अयोग्यता पर लंबे समय तक कोई फैसला नहीं लिया। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मामले में सुनवाई करते हुए तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष को निर्देश दिया कि वह 10 बीआरएस के विधायकों की अयोग्यता पर तीन महीने में फैसला लें। इस बीच, दल-बदल पर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, ये मुद्दा देशभर में बहस का विषय रहा है और यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो यह लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने संसद में दिए गए कई नेताओं के भाषणों का हवाला दिया।

कोर्ट ने राजेश पायलट और देवेंद्रनाथ मुंशी जैसे सांसदों के भाषणों का जिक्र करते हुए कहा कि विधायक या सांसद की अयोग्यता तय करने का अधिकार स्पीकर को इसलिए दिया गया, ताकि अदालतों में समय बर्बाद न हो और मामला जल्दी सुलझे। सुनवाई के दौरान कोर्ट के समक्ष यह दलील दी गई कि अनुच्छेद 136 और 226 व 227 के तहत स्पीकर के निर्णयों पर न्यायिक समीक्षा की सीमाएं बहुत संकीर्ण हैं। यह भी कहा गया कि चूंकि यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट की एक बड़ी पीठ के समक्ष लंबित है, इसलिए मौजूदा सुनवाई नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में इन दलीलों का उल्लेख किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तेलंगाना हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द किया और निर्देश दिया कि कथित तौर पर सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले 10 बीआरएस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही 'यथाशीघ्र और तीन महीने के भीतर' तय की जाए।

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 40.57 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

एजेंसी

देवघर। सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब लगातार उमड़ रहा है। गुरुवार तड़के 04:15 बजे से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। श्रद्धालुओं को बीएड कॉलेज से तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, नेहरू पार्क, क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए जिला प्रशासन की ओर से कड़ी सुरक्षा के बीच जलार्पण कराया जा रहा है। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज है। कांवड़िए कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे हैं। सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंच कर कांवड़िए जलार्पण करते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 40 लाख 57 हजार 220 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर

जलार्पण किया है। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। एसपी अजित पीटर डुंगडुंग ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सभी स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। बाबा बैद्यनाथ धाम स्थित पूरे मेला क्षेत्र में कुल 564 मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। 9 हजार 650 पुलिस बल प्रतिनियुक्त किये गये हैं। साथ ही चार सीआरपीएफ की कम्पनी, दो पुलिस अधीक्षक, एनडीआरएफ की टीम मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त हैं। मेला में 101 स्थानों पर आवासन की व्यवस्था की गयी है। मेला में 81 चिकित्सक और पारा मेडिकल स्टाफ की संख्या 449 है।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में महसूस किये गए भूकंप के झटके

एजेंसी

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप सुबह करीब 7 बजकर 31 मिनट पर आया। इस दौरान लोग एहतियातन घरों से बाहर निकल आए। भूकंप से किसी तरह की जनहानि या नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का केन्द्र जशपुर जिला के बगीचा इलाका बताया जा रहा है। हालांकि प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। भू गर्भ शास्त्री अनिल सिन्हा ने बताया कि भूकंप 4 के मैग्नीइयूड का है। इससे बहुत ज्यादा जान-माल

की हानि नहीं होती है। इस वजह से अभी ये नेशनल मैप पर नहीं आया है। भूकंप के लिहाज से जशपुर भी एक संवेदनशील इलाका है। पिछले 3 साल में कई बार सरगुजा में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

अमित शाह के बयान से इत्तेफाक नहीं रखते चिदंबरम, बोले- अफजल गुरु फांसी मामले को तोड़-मरोड़कर किया जा रहा पेश

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा था कि जब तक पी. चिदंबरम देश के गृह मंत्री पद पर रहे, तब तक अफजल गुरु को फांसी नहीं दी गई। अमित शाह के इस बयान को अब पी. चिदंबरम ने तोड़-मरोड़कर पेश किया गया बताया है। पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि अफजल गुरु की पत्नी ने अक्टूबर 2006 में राष्ट्रपति के समक्ष दया याचिका दायर की थी। यह याचिका 3 फरवरी 2013 को खारिज हुई, जिसके बाद 9 फरवरी 2013 को अफजल गुरु को फांसी दी गई। वे 1 दिसंबर 2008 से 31 जुलाई 2012 तक गृह मंत्री थे और इस दौरान याचिका राष्ट्रपति के पास लंबित थी। कानून के अनुसार, दया याचिका के निपटारे तक फांसी नहीं दी जा सकती। चिदंबरम ने शाह के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए कहा कि यह बयान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है। उन्होंने तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करते हुए सरकार से ऐसी बयानबाजी से बचने की अपील की। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर जवाब देते हुए कहा था कि जब तक पी. चिदंबरम देश के गृह मंत्री रहे, तब तक अफजल गुरु को फांसी नहीं हुई। कांग्रेस पार्टी की मानसिकता को देश की जनता देख रही है। इन लोगों की प्राथमिकता देश की सुरक्षा नहीं, बल्कि राजनीति है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस की प्राथमिकता कभी भी आतंकवाद को समाप्त करना नहीं रही, बल्कि इन लोगों ने हमेशा से ही वोट बटोरने के बारे में सोचा। अमित शाह ने पी. चिदंबरम के बयान का जिक्र करते हुए कहा था कि वो कह रहे हैं कि क्या सरकार के पास सबूत हैं जिससे यह जाहिर हो सके कि आखिर पहलगाम आतंकी हमले को पाकिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया। मैं पी. चिदंबरम से यह सवाल पूछना चाहता हूं कि आखिर वो इस तरह का बयान देकर क्या पाकिस्तानी आतंकवादियों को बचाना चाहते हैं?

दिल्ली में जलभराव को लेकर महापौर कार्यालय के बाहर आआपा पार्षदों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के सभी पार्षदों ने बुधवार को दिल्ली में बारिश के बाद लगातार जलभराव को लेकर दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में महापौर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। आआपा के नेता और निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने निगम क्षेत्रों में जलभराव को खत्म करने की मांग को लेकर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह को आज पत्र लिखा है। उन्होंने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में जलभराव की स्थिति भयावह हो चुकी है। निगम की जल निकासी व्यवस्था फेल होने से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उन्होंने मांग की कि जलभराव का जल्द समाधान किया जाए। ड्रेनेज सिस्टम की जल्द सफाई कराई जाए और जल भराव से प्रभावित लोगों को जरूरी मदद दी जाए। महापौर को लिखे पत्र में अंकुश नारंग ने कहा है कि पिछले दिनों हुई भारी बारिश के कारण दिल्ली के अनेक क्षेत्रों जैसे सदर बाजार, आईटीओ, पटपड़गंज, करोल बाग, मुंडका, शालीमार बाग, मोती बाग आदि में भारी जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आमजन को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने महापौर से मांग की है कि जलभराव की समस्या वाले क्षेत्रों में तत्काल राहत कार्य करवाए जाएं। ड्रेनेज प्रणाली की समुचित सफाई एवं मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। जलभराव से प्रभावित नागरिकों को आवश्यक सहायता एवं मुआवजा प्रदान किया जाए।

पावरस्टार श्रीनिवासन 5 करोड़ की ठगी में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक ऐसे ठग को गिरफ्तार किया है, जो तमिल फिल्मों में अभिनेता, हास्य कलाकार, गायक और निर्माता के रूप में पहचाना जाता है। पकड़े गए आरोपित डॉ. एस. श्रीनिवासन उर्फ पावरस्टार को 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में चेन्नई से गिरफ्तार किया गया है। वह पिछले कई वर्षों से अदालत की कार्यवाही से फरार था और भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। आर्थिक अपराध शाखा के डीसीपी रवि कुमार के अनुसार वर्ष 2010 में दिल्ली की एक कंपनी ने 1000 करोड़ रुपये के लोन के लिए कुछ कथित सलाहकारों से संपर्क किया। इन लोगों ने कंपनी को एस. श्रीनिवासन से मिलवाया, जो खुद को बाबा ट्रेडिंग कंपनी का मालिक और बड़ा फाइनेंसर बताता था। श्रीनिवासन ने पांच करोड़ रुपये एडवांस में मांगे, जो कथित तौर पर स्पेशल स्टैम्प खरीदने के लिए थे। पैसे लेने के बाद न तो कोई लोन दिया गया और न ही रकम वापस की गई। जांच में पता चला कि यह रकम श्रीनिवासन और उसकी पत्नी के खातों में ट्रांसफर हुई और इसका इस्तेमाल व्यक्तिगत जरूरतों और फिल्म निर्माण में किया गया। जब कंपनी ने चेक के जरिए पैसे वसूलने की कोशिश की तो चेक बाउंस हो गया।

पीडब्ल्यूडी के टेंडरों पर 'अतिरिक्त परफॉर्मेंस गारंटी' लागू करने का निर्णय : प्रवेश साहिब सिंह

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि विभाग ने सभी आगामी टेंडरों पर अतिरिक्त परफॉर्मेंस गारंटी (एपीजी) की अनिवार्यता लागू करने का निर्णय लिया है, जो असामान्य रूप से कम बोली लगाने वालों पर लागू होगा। सरकार ने एक बयान में बताया कि नई व्यवस्था में ऐसे सभी टेंडर जिनमें सबसे कम बोली तय अनुमानित लागत से एक निश्चित प्रतिशत से अधिक नीचे होगी, उन्हें असामान्य बोली माना जाएगा। ऐसे ठेकेदारों को अतिरिक्त परफॉर्मेंस गारंटी देनी होगी, जो उस अंतर के बराबर होगी जितना प्रतिशत उन्होंने निर्धारित सीमा से नीचे बोली लगाई है। यह गारंटी पहले से लागू सिक्योरिटी डिपॉजिट और परफॉर्मेंस गारंटी के अतिरिक्त होगी। ऐसे बोलीदाताओं को तब तक कार्य आवंटित नहीं किया जाएगा जब तक वे निर्धारित समयसीमा के भीतर एपीजी जमा नहीं कर देते। समयसीमा का पालन न करने पर कार्य आदेश रद्द कर दिया जाएगा और विभागीय नियमों के तहत ठेकेदार को रोक दिया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि यह निर्णय सिर्फ आर्थिक सुरक्षा के लिए नहीं है, बल्कि यह जवाबदेही और जनधन के प्रति सम्मान का प्रतीक है। जब कोई ठेकेदार अव्यवहारिक रूप से कम राशि पर टेंडर लेता है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहयोग का प्रतीक बना : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भारत मंडपम में आयोजित 'ग्लोबल आउटरीच समिट 2025 में भाग लेकर देश और दुनिया से आए ब्रांडिंग और सप्लाई चेन के विशेषज्ञों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मनिर्भरता, नवाचार और वैश्विक सहयोग का प्रतीक बन चुका है। भारतीय ब्रांड्स अब न केवल वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, बल्कि अपनी विशिष्ट पहचान भी बना रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी भारतीय ब्रांड्स को गर्व और आत्मविश्वास के साथ अपनाए। 'मेड इन इंडिया' सिर्फ एक टैग नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, शिल्प और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। दिल्ली सरकार इस सोच को आगे बढ़ाते हुए 7 अगस्त को 'हैंडलूम डे' मनाने जा रही है।

पहलगाम हमले पर 61 राष्ट्राध्यक्षों ने की थी निंदा: बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर यह झूठा नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि दुनिया में कोई भी देश भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ। राज्यसभा में नेता सदन नड्डा ने कहा, 'हकीकत यह है कि दुनिया के 61 राष्ट्राध्यक्षों ने इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। 35 विदेश मंत्रियों ने भारत के प्रति एकजुटता के मजबूत संदेश भेजे हैं' जेपी नड्डा राज्यसभा में पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में भारत के सफल एवं निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर पर आयोजित विशेष चर्चा में बोल रहे थे। यहां चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि चाहे संयुक्त राष्ट्र हो, क्वाड हो या ब्रिक्स हो, हर प्रमुख वैश्विक मंच ने भारत के साथ खड़े होकर इस हमले की निंदा की है। जेपी नड्डा ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब स्थानीय नहीं रहा, बल्कि पूरी तरह

विदेशी प्रायोजित बन चुका है। अब आतंकवादियों की औसत उम्र सिर्फ 7 दिन रह गई है। यह सब मोदी सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है।' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'खड़गे जी पूछ रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों का क्या हुआ? तो उन्हें बता दूं कि ऑपरेशन महादेव के तहत उन्हें जमीन में गाड़ दिया गया है।' जेपी नड्डा ने सदन में कहा कि पहलगाम हमले के बाद, पीएम मोदी ने मधुबनी, बिहार से कहा था कि आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। हम सबको मालूम है कि 13 दिनों के अंदर ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से आतंकवादियों को जवाब दिया गया। हम 300 किमी अंदर गए और आतंक के 9 ठिकानों को तबाह किया। 22 मिनट में 22 अप्रैल का बदला ले लिया। हम बार-बार कहते हैं कि दल से बड़ा देश। लेकिन कुछ लोग दल को बचाने के चक्कर में देश की खुशी में भी शामिल नहीं हो पाते हैं। नड्डा ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका बेहद अहम होती है, क्योंकि वही देश की सशस्त्र सेनाओं को आवश्यक दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करता है। जब नेतृत्व स्पष्ट और निर्णायक होता है, तभी सेनाएं अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से पालन कर पाती हैं। राज्यसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2005 में जौनपुर में श्रमजीवी एक्सप्रेस में हरकत-उल-जिहाद ने बम ब्लास्ट किया था। 14 लोग मारे गए और 62 घायल हुए, लेकिन उस वक्त कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जो आज हमसे पूछ रहे हैं कि पहलगाम का क्या हुआ, वो पहले खुद के गिरेबान में झांककर देखें। उन्होंने कहा कि इंडियन मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा ने मिलकर मुंबई में बम ब्लास्ट किया। 209 लोग मारे गए, 700 से अधिक घायल हुए।

बीस लाख के जेवरात चोरी के मामले में पांच आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य जिले की आईपी एस्टेट थाना पुलिस ने 20 लाख के जेवरात चोरी के मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान दिल्ली निवासी मोहसिन उर्फ मोनी (34), केशव नगर, गाजियाबाद निवासी नसीम उर्फ मुन्ना (50), गफ्फार विहार, लोनी निवासी समीना उर्फ शाहीन (48), सहावर, कासगंज, यूपी निवासी अंसार अहमद (50) और दिल्ली निवासी वसीम उर्फ छोटे (49) के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपितों के पास से चोरी किए गए 20 लाख के जेवरात, 11 हजार कैश, दो ऑटो और अन्य सामान बरामद किया है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपितों ने इसी तरह ऑटो में बिठाकर सवारियों से दर्जनों वारदातों को अंजाम दिया है। पकड़ा गया आरोपित मोहसिन सीलमपुर थाने का घोषित बदमाश है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि 7 जुलाई को अलीगढ़, विकम कालोनी रामघाट रोड निवासी बेबी-ई-चाको नामक शख्स ने ऑटो में चोरी की एक शिकायत दी थी। आईपी एस्टेट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। पीड़ित ने बताया कि आईटीओ से ऑटो में कुछ और लोग सवार हुए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल की। इसके बाद आरोपितों के ऑटो के नंबर का पता लगा लिया गया। इसके बाद टीम ने सबसे पहले वसीम उर्फ छोटे उर्फ बंदर नामक आरोपी को दबोच लिया। उससे पूछताछ हुई तो उसने अपने पूरे गैग का खुलासा कर दिया। सभी अपने-अपने घरों से गायब मिले।पुलिस ने जांच के बाद एक-एक कर सभी को दबोच लिया। बाद में इनकी निशानदेही पर चोरी किए गए जेवरात व अन्य सामान बरामद कर लिया गया।

बिहार के उपमुख्यमंत्री व यूपी के कृषि मंत्री ने की शिवराज सिंह से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार के उप मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों राज्यों के कृषि मंत्रियों ने क्षेत्र में कृषि एवं किसान कल्याण के संबंध में चर्चा की और अपने सुझाव दिए। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को किसानों के हित में दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बैठक में बिहार व उ.प्र. के मंत्रियों से अनुरोध किया कि वे आगामी 2 अगस्त को होने वाले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के वृहद कार्यक्रम में अधिकाधिक किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करें। शिवराज सिंह ने पत्रकारों को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी (उ.प्र.) से पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त देशभर के करोड़ों किसानों के बैंक खातों में जारी करेंगे। ये

कार्यक्रम सभी राज्यों में होगा और वे खुद पटना (बिहार) में इसके आयोजन में सम्मिलित होंगे। इसकी तैयारियों को लेकर उन्होंने बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा व उ.प्र. के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही से बातचीत की। बैठक में शाही ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों के जुड़ने की आखिरी तारीख को 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 अगस्त करने का आग्रह किया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया और शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी सहित केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एनडीएमसी ने शुरू किया 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' स्वच्छता अभियानः कुलजीत चहल

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत @2047 और स्वच्छ भारत मिशन के विजन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र में एक विशेष स्वच्छता अभियान 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' की शुरुआत की है। यह जानकारी एक विज्ञप्ति में दी गई। इस अभियान की औपचारिक शुरुआत एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा की अध्यक्षता और उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल की उपस्थिति में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में की गई। 1 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक चलने वाले इस महीने भर के अभियान की विस्तृत जानकारी स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सा अधिकारी शकुंतला श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने अभियान की गतिविधियों का पूरा कैलेंडर और इसमें शामिल विभागों की जिम्मेदारियां भी साझा कीं। बैठक में उपाध्यक्ष चहल ने मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों को एनडीएमसी क्षेत्र में लागू करने को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इसका उद्देश्य है - स्वच्छ, हरित और स्वस्थ दिल्ली बनाना। इसके लिए नागरिकों, सरकारी विभागों और संस्थाओं को एकजुट कर सफाई और जागरूकता का एक समर्पित अभियान चलाया जाएगा।अभियान के तहत सफाई अपने घर से शुरू करें और सभी सरकारी दफ्तरों, आवासों और परिसरों में सफाई पर विशेष ध्यान दिया। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनवाड़ी जैसे बड़े विभाग सक्रिय भूमिका निभाएंगे। आरडब्ल्यूए, एनजीओ, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सेलिब्रिटी, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता होगी। झुग्गी और अनधिकृत कॉलोनियों में सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सामुदायिक शौचालय, कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई, एसटीपी/डब्ल्यूटीपी की क्षमता बढ़ाना है। यह एक बार का नहीं, सतत अभियान होगा। चहल ने जानकारी दी कि नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाने के लिए एक डिजिटल पोर्टल शुरू किया गया है - https://www.swachhata.delhi.gov.in। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने और उन्हें प्रेरित करने के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रमुख रूप से सेल्फी पॉइंट, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता आधारित चित्रकला, निबंध लेखन, क्विज़ प्रतियोगिता आदि शामिल हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इस जन आंदोलन का सक्रिय हिस्सा बनाना है।

मानव तस्करी के विरुद्ध राष्ट्रीय महिला आयोग और रेलवे सुरक्षा बल के बीच समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। वश्व मानव तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने मानव तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर की उपस्थिति में किया गया।इस अवसर पर रेल मंत्री ने राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रकाशित मानव तस्करी की जानकारी से संबंधित पुस्तिका का विमोचन किया। इस पुस्तिका में मानव तस्करी की रोकथाम के लिए जागरूकता, प्रशिक्षण व कार्यवाई की जानकारी साझा की गई है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद विजया रहाटकर एवं रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने इस

सहयोग के महत्व पर अपने विचार साझा किए। रहाटकर ने संस्थागत समन्वय, ज़मीनी सतर्कता और जन-जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि इस गंभीर अपराध पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। इस समझौते के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग और आरपीएफ संयुक्त रूप से रेलवे के अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों, आम जनता को जागरूक करेंगे। इसके साथ कानून प्रवर्तन व्यवस्था की क्षमताओं को सशक्त बनाएंगे। यह साझेदारी आरपीएफ कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन तथा रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में जन-जागरूकता अभियान चलाने पर केंद्रित होगी, जिससे तस्करों को हतोत्साहित किया जा सके। आरपीएफ को तस्करी के संकेत पहचानने और समय पर हस्तक्षेप करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे रेलवे जैसे सबसे बड़े माध्यम द्वारा की जा रही तस्करी को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है।

ठगी के मामले में दो फर्जी बाबा गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य जिला की साइबर थाना पुलिस ने मेरठ उप्र से शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान लिसाड़ी गेट, जफर गार्डन, मेरठ यूपी निवासी मोहम्मद नजीर (41) और मोहम्मद राजा खान (30) के रूप में हुई है। आरोपित फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर लोगों की समस्याएं दूर करने का झांसा देते थे। अपने आप को प्रमोट करने के लिए आरोपित बकायदा गूगल पर विज्ञापन देककर इसके लिए हर दिन का भुगतान भी करते थे। जांच के दौरान पता चला है कि लोगों ने दर्जनों लोगों को परेशानियां दूर करने के नाम पर ठगा है। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि 21 मई को पटेल नगर निवासी एक महिला ने साइबर थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि उसने सोशल मीडिया पर बाबाओं का विज्ञापन देखकर उनसे संपर्क किया। बाबाओं ने बताया कि उनके घर में निगेटिव एनर्जी है। उसको दूर भगाने के लिए उपाय करना होगा। आरोपितों ने महिला का विश्वास जीतकर पूजा-पाठ के नाम पर उससे 37 हजार रुपये वसूल कर लिए। इसके बाद भी वह और रुपयों की डिमांड करने लगे। आरोपितों ने महिला को कुछ वीडियो भेजे। उसमें कुछ बच्चे अजीबों-गरीब तरह की हरकतें कर रहे थे। पीड़िता ने शक होने पर पुलिस से शिकायत की। साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। रुपयों की लेनदेन और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर जांच करते हुए टीम मेरठ पहुंची और वहां से दोनों फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया।

हम चाहते हैं कि पीएम मोदी बताएं कि उनकी राष्ट्रपति ट्रंप से क्या बात हुई थी : गौरव गोगोई

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसद में दिए उस संबोधन की विश्वनीयता पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने दुनिया के किसी भी देश के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं किया था।

कांग्रेस नेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को सामने आकर ट्रंप को हिदायत देना चाहिए कि वो इस तरह की बातें नहीं करें। गोगोई ने कहा कि साफ जाहिर हो रहा है कि दोनों में से कोई एक तो सच नहीं बोल रहा है। ऐसे में यह देश के लोगों के बीच क्या दर्शाता है कि, दोनों देश के सरकारों के बीच इतना भी संतुलन नहीं है कि वे अपनी बातों में समन्वय रखें, एक दूसरे की बातों को साझा करें। क्या अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच बातचीत नहीं है। इसके अलावा, पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों के आका आसिम मुनीर भी व्हाइट हाउस में गए। यह बहुत ही ताज्जुब की बात है, इसलिए हम चाहते थे कि प्रधानमंत्री स्पष्ट रूप से बताएं कि क्या उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप से इस संदर्भ में बात की। और अगर राष्ट्रपति ट्रंप कुछ गलत बयान दे रहे हैं

तो क्या प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ऐसे हीं चुप बैठेगी या अमेरिका की सरकार और ट्रंप को ऐसे बयान बदलने का सुझाव देगी। इसके अलावा, उन्होंने पहलगाम टेरर अटैक के संबंध में कहा कि यह हमला किसी एक व्यक्ति ने तो नहीं करवाया होगा, बल्कि इस हमले में पाकिस्तानी सेना भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना हीं विभिन्न आतंकवादी गुटों को प्रोत्साहित करता है। आतंकवादी गुटों का नेता आसिम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप के अलावा दो अन्य देशों के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात कर रहा है। सेटेलाइट के जरिए पहलगाम हमले के इन आतंकियों को जो जानकारी मिली है, इसके पीछे किसका हाथ है, हमें भी पता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही अद्भुत तर्क है कि एक तरफ जहां आप ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय ले रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ पहलगाम टेरर अटैक की जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है। यह गजब की स्थिति है कि एक तरफ जहां ये लोग ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय ले रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ पहलगाम टेरर अटैक का ठीकरा पंडित नेहरू पर फोड़ रहे हैं। आखिर ये क्यों गौरव गोगोई ने कहा कि सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी को यह बताएं कि पहलगाम टेरर अटैक में सिक्योरिटी की विफलता थी की नहीं। एलजी साहब एक जिम्मेदारी पद पर बैठे हुए थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने विकासपुरी में सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक पंकज कुमार सिंह ने विकासपुरी विधानसभा क्षेत्र के मदर डेयरी से एमसीडब्ल्यू सेंटर शिव विहार तक लगभग 750 मीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि पिछली सरकार की लापरवाही से एक दशक से मदर डेयरी से लेकर एमसीडब्ल्यू शिव विहार तक की सड़क जर्जर हालत में रही। इलाके में रहने वाले लोगों की परेशानी को देखते हुए विधायक निधि से इस सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि इस सड़क के साथ-साथ नालों के निर्माण और मरम्मत कार्य होने से पूरे इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हो गई है। सड़क उद्घाटन के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ इलाके का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राशन की दुकान से राशन प्राप्त करने वाले लोगों से बात करते हुए तय मानक के अनुरूप राशन मिलने की जानकारी भी ली। मंत्री ने राशन डीलर को लोगों के साथ सहयोग करने और राशन वितरण में पारदर्शिता बरतने को निर्देश दिया।

बच्चों के यौन उत्पीड़न मामलों में सपोर्ट पर्सन के लिए सी-लैब ने शुरू किया देश का पहला सर्टिफिकेट कोर्स

एजेंसी

नई दिल्ली। बाल यौन शोषण के सभी मामलों में सपोर्ट पर्सन की अनिवार्य रूप से नियुक्ति के लिए 2023 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद द सेंटर फॉर लीगल एक्शन एन बिहेवियर चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) ने देश में अपनी तरह का पहला सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। सी-लैब देश का एक प्रमुख संस्थान है जो कानून के शासन पर अमल के जरिए बच्चों के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में योगदान दे रहा है। इस कोर्स में पहले व्याख्यान के लिए बुलाए गए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि न्याय का पैमाना सिर्फ फैसले ही नहीं बल्कि यह भी है कि पूरी प्रक्रिया के दौरान बच्चे की गरिमा और सम्मान का कितना ख्याल रखा गया। इस पूरी यात्रा में पर्दे के पीछे सबसे बड़ी ताकत सपोर्ट पर्सन होते हैं जो उन्हें मार्ग दिखाते हैं, सुरक्षा करते हैं और सबसे बुरे वक्त में पीड़ित परिवार का संबल व सहारा बनते हैं। चाहे कचहरी हो, थाना या अस्पताल हो वे पीड़ित के घावों पर मरहम लगाने और संकट की घड़ी में धैर्य रखने के लिए एक कंधा मुहैया कराते हैं। उन्होंने कहा कि सी-लैब की यह पहल प्रशिक्षण से कहीं आगे जाती है। यह सुव्यवस्थित

रूपांतरण की दिशा में एक कदम है। यदि यह सही तरीके से होता है तो यह न सिर्फ एक पीड़ित बच्चे को फिर से खड़ा होने में मदद करेगा बल्कि उसे यह विश्वास दिलाएगा कि न्याय संभव है। दस हफ्ते के इस ऑनलाइन और क्लासरूम के अनूठे कोर्स की निदेशक डॉ. संगीता गौड़ ने बतायाकि पॉक्सो जैसे सख्त कानूनों के बावजूद हमारे हजारों बच्चे अदालतों के चक्कर काट रहे हैं या फिर अपने घर में दुबके हुए हैं और उनकी सहायता व मार्गदर्शन के लिए कोई नहीं है। इन बच्चों के साथ संवेदनशीलता से पेश आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इससे भी अहम यह है कि उन बच्चों को बताया जाए कि उनके कानूनी अधिकार क्या हैं और वे किन चीजों के हकदार हैं। एक प्रशिक्षित सपोर्ट पर्सन बच्चों की मदद करते हुए यह सुनिश्चित कर सकता है कि उनकी गरिमा से खिलवाड़ नहीं हो और न्याय अवश्य मिले।उल्लेखनीय है कि सपोर्ट पर्सन वह होता है जो यौन शोषण के पीड़ित बच्चों की कानूनी, चिकित्सकीय व भावनात्मक तरीके से मदद करता है और उन्हें समाज की मुख्य धारा में वापस लाने में सहायता करता है। सपोर्ट पर्सन की अहमियत को रेखांकित करते हुए उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकारों को पॉक्सो मामलों में हर पीड़ित बच्चे के लिए अनिवार्य रूप से सपोर्ट पर्सन की नियुक्ति का आदेश दिया था।

ब्रिटेन से 127 साल बाद स्वदेश पहुंचे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष, प्रधानमंत्री ने जताई खुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के लिए आज एक ऐतिहासिक दिन है। ब्रिटेन से बौद्ध अवशेष की स्वदेश वापसी हो गई है। संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों से 127 साल बाद इन बौद्ध अवशेष को वापस लाया जा सका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बौद्ध पुरावशेष की वापसी की तस्वीरें साझा करते ट्वीट कर खुशी जताई है। दरअसल, ब्रिटेन में इन बौद्ध अवशेष को मई माह में नीलामी के लिए रखा गया था । केन्द्र सरकार ने इस नीलामी को न केवल रुकवाया बल्कि इन पवित्र अवशेष को वापस लाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए थे। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों से यह बौद्ध अवशेष ब्रिटेन से भारत लाया गया। इसपर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बौद्ध पुरावशेष की वापसी पर तस्वीरें साझा करते हुए अपने एक्स अकाउंट पर अपने संदेश में कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत के लिए एक खुशी का दिन है। हर भारतीय को इस बात पर गर्व होगा कि भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेष 127 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद स्वदेश लौट आए हैं। ये पवित्र अवशेष भगवान बुद्ध और उनकी महान शिक्षाओं के साथ भारत के घनिष्ठ संबंध को दर्शाते हैं। यह हमारी गौरवशाली संस्कृति के विभिन्न पहलुओं के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिपरहवा के अवशेष 1898 में खोजे गए थे, लेकिन औपनिवेशिक काल के दौरान इन्हें भारत से बाहर ले जाया गया था। इस वर्ष की शुरुआत में जब ये एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में दिखाई दिए, तो हमने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि ये स्वदेश वापस आ जाएं। उन्होंने इस पुरावशेष को वापस लाने वाले सभी लोगों के प्रयासों का आभार व्यक्त किया। इस संबंध में संस्कृति मंत्रालय ने बताया कि कुछ दिनों पहले इन अवशेषों की नीलामी होने वाली थी, लेकिन भारत सरकार के प्रयास से नीलामी रुकवा दी गई। इन अवशेषों की कहानी साल 1898 में शुरू होती है, जब एक ब्रिटिश इंजीनियर विलियम पेपे ने पिपरहवा में एक प्राचीन बौद्ध स्तूप की खुदाई की। खुदाई में एक विशाल पत्थर का पात्र मिला। इसमें भगवान बुद्ध की हड्डियों के अवशेष, क्रिस्टल और सोपस्टोन की पवित्र कलशियां और रत्नों व आभूषणों से भरे चढ़ावे थे।

संपादक की कलम से

उधम सिंह सरदार: एक गोली, सौ सालों की गूंज

भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई केवल तलवारों की टंकार या जुलूसों की गूंज नहीं थी, वह उन आंखों में पलते संकल्पों की लड़ाई थी, जो वर्षों तक प्रतिशोध को अपनी आत्मा में पाले रही। वह उन लोगों की कहानी थी, जो नारे नहीं लगाते थे, लेकिन भीतर ही भीतर एक ज्वालामुखी की तरह उबलते रहते थे। उन ज्वालाओं में से एक नाम था – उधम सिंह।

उधम सिंह, जिन्होंने जलियाँवाला बाग की मिट्टी में अपने साथियों का खून देखा। जिन्होंने अपने जीवन को एक ही लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया – न्याय। यह कहानी है एक ऐसे वीर की, जो किसी अखबार की सुखी नहीं बना, लेकिन इतिहास की सबसे करारी चोट साबित हुआ।

13 अप्रैल 1919, अमृतसर। बैसाखी का त्यौहार था। जलियाँवाला बाग में हजारों लोग शांतिपूर्वक एकत्र थे। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यह दिन इतिहास के सबसे रक्तरंजित दिनों में तब्दील हो जाएगा। जनरल डायर की क्रूरता ने मासूमों पर गोलियों की बौछार कर दी। न कोई चेतावनी, न कोई चेतावक विचार। निहत्थे लोगों पर मशीनगनों से फायरिंग हुई। लाशों की चादर बिछ गई। सैकड़ों लोग मारे गए, और हजारों जख़्मी। पूरा बाग खून से लाल हो गया।

उसी नरसंहार में एक 20 वर्षीय युवा घायल, लेकिन जीवित बचा– उधम सिंह। उन्होंने न केवल उस घटना को देखा, बल्कि उसे अपने सीने में पत्थर की तरह गड़ा लिया। उन्होंने न शोर मचाया, न कोई शिकायत की। पर उनके अंदर एक ज्वाला धधक रही थी, जो शांति से नहीं बुझने वाली थी।

उधम सिंह ने अपने जीवन को एक ही दिशा दी–इस क्रूरता का बदला लेना। उन्होंने प्रतिशोध नहीं, न्याय की भाषा चुनी। वे वर्षों तक खामोशी से तैयारी करते रहे। अपने देश से दूर जाकर दुश्मन की धरती पर खड़े होकर भारत का परचम लहराने का उन्होंने प्रण लिया। यह कोई आवेश में किया गया कार्य नहीं था, यह एक सुनियोजित नैतिक युद्ध था।

1934 में वे लंदन पहुँचे। वहाँ वे गुमनाम ज़िंदगी जीते रहे। उनका मकसद केवल ओडायर तक पहुँचना था–वह व्यक्ति जिसने जनरल डायर के कत्लेआम को समर्थन और सम्मान प्रदान किया था। 13 मार्च 1940 को वह दिन आया, जब उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के एक सभागार में जाकर, कैक्सटन हॉल में ओडायर को गोली मारी। वह गोली केवल एक शरीर को नहीं भेदती थी, वह एक साम्राज्य की आत्मा को झकझोर देती थी।

उधम सिंह वहीं गिरफ्तार हुए। उन्होंने भागने की कोई कोशिश नहीं की। अदालत में खड़े होकर उन्होंने गर्व से कहा, मैंने मारा है। यह प्रतिशोध नहीं, न्याय है। मैं अपने देश के लिए मरने जा रहा हूँ, और मुझे इस पर गर्व है। उनके चेहरे पर न पछतावा था, न भय। वह एक आत्मा थी, जो न्याय के सिद्धांत पर अडिग थी।

ब्रिटिश शासन की नींव को यह घटना अंदर तक हिला गई। एक भारतीय, साम्राज्य की राजधानी में आकर, खुलेआम न्याय कर गया। यह केवल एक हत्या नहीं थी, यह अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ एक नैतिक घोषणापत्र था। उधम सिंह ने यह दिखा दिया कि भारतवासी केवल लड़ाई के मैदान में ही नहीं, विवेक और साहस के साथ भी लड़ सकते हैं।

आजादी के बाद भारत ने उधम सिंह को शहीद-ए-आजम की उपाधि दी। लेकिन क्या हम सच में उनके विचारों और बलिदान के योग्य उत्तराधिकारी बन पाए हैं?

आज भी हमारे देश में अन्याय मौजूद है। बलात्कारियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता है, पत्रकार जेलों में बंद हैं, गरीब किसान आत्महत्या कर रहा है और सत्ता मौन है। क्या यही वह भारत है, जिसकी कल्पना उधम सिंह ने की थी? क्या हममें से किसी के भीतर वैसी आग बची है?

उधम सिंह ने बंदूक चलाई थी, लेकिन वह गोली भारत की चेतना को जगा गई थी। वह गोली एक उदाहरण थी, कि अगर अन्याय को सहा गया, तो वह बार-बार दोहराया जाएगा। उन्होंने यह दिखाया कि सच्चा राष्ट्रभक्त वह नहीं जो तिरंगा लहराकर भाषण देता है, बल्कि वह है जो अन्याय के सामने कभी न झुके।

आज जब हम राष्ट्रवाद के नाम पर नफरत का बाजार सजते देख रहे हैं, तो उधम सिंह का नाम हमें आइना दिखाता है। उन्होंने कभी किसी धर्म, जाति या पार्टी के नाम पर संघर्ष नहीं किया। उनका उद्देश्य केवल एक था–न्याय और स्वतंत्रता।

उनकी जयंती या पुण्यतिथि पर हम मोमबत्तियाँ जलाते हैं, प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाते हैं। लेकिन यह श्रद्धांजलि तब तक अधूरी है जब तक हम उनके विचारों को अपने जीवन में न उतारें। देशभक्ति केवल एक दिवस की भावना नहीं हो सकती। वह एक निरंतर जागरूकता है, जो हर अन्याय के खिलाफ आवाज बनकर उठती है।

आज के युवाओं के लिए उधम सिंह एक आदर्श हैं। एक ऐसा आदर्श जो कहता है – धैर्य रखो, पर चुप मत रहो। तैयारी करो, पर डर मत खाओ। न्याय माँगो नहीं, उसे प्राप्त करो।

अगर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सच्चे नागरिक बनें, तो हमें उन्हें उधम सिंह की कहानी केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि जीवन के उदाहरणों से सिखानी होगी। उनकी तस्वीर केवल दीवार पर न टांगे, बल्कि उनके सिद्धांतों को अपने आचरण में उतारें।

थोड़ा सा चलते ही चढ़ने लगती है सांस? ये हो सकती हैं इन बीमारियों की निशानी

अगर आप कुछ कदम चलते ही या सीढ़ियां चढ़ते वक्त जल्दी-जल्दी सांस लेने लगते हैं, तो यह सामान्य थकावट नहीं बल्कि शरीर के भीतर चल रही किसी गंभीर दिक्कत का संकेत हो सकता है. अक्सर लोग इसे उम्र, मोटापा या फिटनेस की कमी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना भविष्य में खतरनाक साबित हो सकता है. सांस फूलना कई अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हो सकता है- खासकर दिल, फेफड़े और खून से संबंधित बीमारियों से.

कभी-कभी गंभीर लक्षण सांस फूलना यानी जल्दी-जल्दी सांस लेने की परेशानी एक आम लेकिन कभी-कभी गंभीर लक्षण हो सकता है. जब फेफड़े, दिल या खून में ऑक्सीजन की कमी होती है, तो शरीर को जरूरत के हिसाब से ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और इस वजह से सांस लेने में दिक्कत महसूस होती है. यह दिक्कत सीढ़ियां चढ़ते समय, तेज चलने पर या कभी-कभी बिना कोई मेहनत किए भी हो सकती है. अस्थमा, एनीमिया, हार्ट डिजीज, मोटापा, फेफड़ों में संक्रमण या पैनिक अटैक जैसी स्थितियां इसके पीछे का कारण हो सकती हैं. अगर सांस फूलना बार-बार हो रहा है या इसके साथ सीने में दर्द, थकान, खांसी या धड़कन तेज होने जैसे लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से जांच कराना बहुत जरूरी है.

दिल की बीमारिया

दिल्ली के राजीव गांधी अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग में डॉ. अजीत जैन बताते हैं किहमारा दिल पूरे शरीर में खून पंप करता है. जब दिल की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं या ब्लड फ्लो में रुकावट आ जाती है, तो शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती. हार्ट फेल्योर, कोरोनरी आर्टरी डिजीज और हार्ट वाल्व से जुड़ी समस्याएं सांस फूलने का कारण बन सकती हैं. ऐसे मरीजों को खासतौर पर थोड़ी मेहनत या चलने-फिरने पर सांस फूलने लगती है और थकावट महसूस होती है. अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, फेफड़ों में इन्फेक्शन या फाइब्रोसिस जैसे रोग फेफड़ों की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं

डिंपल की तौहीन पर अखिलेश की चुप्पी की मजबूरी

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की छवि एक प्रखर नेता के रूप में होती है। अखिलेश खुलकर अपनी बात कहते हैं। यूपी में बीजेपी को समाजवादी पार्टी टक्कर देती रही है,लेकिन अखिलेश की राजनीति का यह एक ही पक्ष है दूसरा पक्ष इसके बिल्कुल उलट है। दरअसल,बात जब अल्पसंख्यकों से जुड़ी होती है तो अखिलेश यादव अपना मुंह सिल लेते हैं। सत्ता मे रहते अखिलेश न ने तुष्टिकरण की सियासत के चलते सीरियल ब्लास्ट के आरोपी आतंकवादियों पर से केस वापस लेने तक में गुरेज नहीं किया। इसी तरल लव जेहाद की घटनाओं और धर्मांतरण पर भी सपा प्रमुख चुप्पी साधे रखते हैं,जबकि हिन्दुत्व, आरएसएस,श्री रामलला मंदिर,कावड़ियों और सनातन के खिलाफ जहर उगलने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। हद तो तब हो गई जब मुस्लिम वोट बैंक के चक्कर में सपा प्रमुख ने एक मौलाना द्वारा उनकी पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ दिये गये विवादित बयान पर भी चुप्पी साधे रखी। शायद उनको लगता होगा कि यह इम्पारटेंट नहीं है कि डिंपल की बेइज्जती हुई हुई,बलिक इम्पारटेंट यह है कि डिंपल की बेइज्जती करने वाले के खिलाफ मुंह खोलने से सपा का मुस्लिम वोट बैंक नाराज हो सकता है।

गौरतलब हो, इसी के चलते राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की अभद्र टिप्पणी ने न केवल एक राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है, बल्कि सपा के लिए एक गंभीर चुनौती भी खड़ी कर दी है। इस घटना पर अखिलेश यादव की चुप्पी ने न सिर्फ उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं, बल्कि सपा के महिला वोट बैंक को भी खतरे में डाल दिया है। यह मुद्दा 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले सपा की रणनीति और छवि के लिए गंभीर संकट बन सकता है।

मौलाना साजिद रशीदी ने 22 जुलाई 2025 को संसद मार्ग स्थित मस्जिद में सपा सांसदों की बैठक के दौरान डिंपल यादव के पहनावे पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने डिंपल को राजनीतिक हिंदू महिला कहकर उनके साड़ी पहनने पर सवाल उठाए और मस्जिद की तौहीन का आरोप लगाया। इस टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसके बाद लखनऊ के विभूतिखंड थाने में सपा नेता प्रवेश यादव ने मौलाना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। प्रवेश यादव ने अपनी तहरीर में कहा, मौलाना साजिद ने मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर अमर्यादित टिप्पणी कर पूरे समाज को ठेस पहुंचाई है। यह सिर्फ एक महिला की गरिमा को ठेस नहीं, बल्कि समाज की हर महिला इस टिप्पणी से आहत है,लेकिन अखिलेश ने अंत तक मुंह नहीं खोला।

बहरहाल, इस विवाद ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सपा पर हमला करने का मौका दे दिया। भाजपा की वरिष्ठ नेता और महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने लखनऊ में पत्रकार वार्ता में कहा, डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी नारी सम्मान पर हमला है। अखिलेश यादव की चुप्पी सवाल खड़े करती है। क्या उन्होंने सत्ता के लिए अपनी पत्नी का अपमान स्वीकार कर लिया है? उन्होंने यह भी जोड़ा,ह्ययह एक महिला सांसद की गरिमा पर ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति पर हमला है। सपा का मौन क्या इस सोच की सहमति है कि अब मौलवी उनकी महिला सांसदों की गरिमा तय करेंगे?प्रयागराज में पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने भी सपा पर तंज कसते हुए कहा,ह्यअखिलेश तुष्टिकरण की नीति पर चलते हैं। चाहे उनके परिवार या पत्नी का अपमान हो, वे चुप रहते हैं। यह महिलाओं के लिए बड़ा संदेश है कि सपा में उनका सम्मान सुरक्षित नहीं है।

अखिलेश यादव की चुप्पी को भाजपा ने वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा है। लखनऊ में भाजपा एमएलसी सुभाष यदुवंश ने अटल चौक पर होर्डिंग लगाकर अखिलेश को मौन मुखिया करार दिया। होर्डिंग में लिखा था, पत्नी के अपमान पर चुप रहने वाले प्रदेश की बहन-बेटियों की सुरक्षा क्या करेंगे? धिक्कार है अखिलेश जी। यह होर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे सपा की मुश्किलें और बढ़ गईं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला सपा के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है, खासकर तब जब सभी दल महिला वोटरों को साधने में जुटे हैं।

बता दें उत्तर प्रदेश में महिला वोटरों की भूमिका हाल के चुनावों में निर्णायक रही है। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत में महिला केंद्रित योजनाओं जैसे लाडली बहिन और लाड़ली लक्ष्मी का बड़ा योगदान रहा। सपा भी इस तथ्य से वाकिफ है और 2027 के चुनावों के लिए डिंपल यादव के नेतृत्व में महिला वोटरों को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। जून 2025 में लखनऊ में सपा की महिला सभा की बैठक में अखिलेश और डिंपल ने बूथ स्तर पर महिला कार्यकताओं को संगठित करने और घर-घर जाकर संपर्क करने की योजना बनाई थी। लेकिन मौलाना की टिप्पणी और अखिलेश की चुप्पी ने इस रणनीति को झटका दिया है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अखिलेश की चुप्पी को एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा सकता है, ताकि मुस्लिम वोट बैंक नाराज न हो। अखिलेश ने इस मुद्दे पर सीमित प्रतिक्रिया देते हुए कहा, लोकसभा में क्या पहनकर आएं, बताओ। जो लोकसभा में पहनकर आएंगे, वो ही हमारी हर जगह ड्रेस होगी। यह बयान उनके आक्रामक रुख से इतर रहा, जो आमतौर पर वे अन्य मुद्दों पर दिखाते हैं। सपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पार्टी इस मुद्दे को तूल देकर धार्मिक ध्रुवीकरण से बचना चाहती है, लेकिन यह चुप्पी महिला वोटरों को पार्टी से दूर कर सकती है।

महिला वोटरों का सपा से मोहभंग होने का खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि उत्तर प्रदेश में महिलाएं मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक था। ऐसे में, डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी और उस पर सपा की नरम प्रतिक्रिया से महिला वोटरों में नाराजगी फैल सकती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां डिंपल की सादगी और साड़ी पहनने की शैली को महिलाएं पसंद करती हैं, यह विवाद सपा की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

भाजपा ने इस मुद्दे को संसद से सड़क तक उठाकर सपा को घेरने की कोशिश की है। 28 जुलाई को एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया और महिलाओं के सम्मान का मुद्दा उठाया। लखनऊ में भाजपा की महिला इकाई ने भी अखिलेश की चुप्पी पर रोष जताया। सपा के लिए यह स्थिति इसलिए भी नुकसानदायक है क्योंकि पार्टी पहले से ही तुष्टिकरण के आरोपों से जूझ रही है। डिंपल यादव ने इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उनके समर्थकों का कहना है कि उनकी गरिमा और सादगी ही उनकी ताकत है।

इस पूरे प्रकरण में सपा की रणनीति अब तक संतुलन बनाए रखने की रही है, लेकिन यह संतुलन उनकी महिला वोटरों को खोने की कीमत पर भारी पड़ सकता है। अगर सपा इस मुद्दे पर स्पष्ट और आक्रामक रुख नहीं अपनाती, तो 2027 के चुनावों में उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

दूसरी ओर, भाजपा इस मुद्दे को और भुनाने की कोशिश में है, ताकि वह महिला वोटरों को अपनी ओर आकर्षित कर सके। कुल मिलाकर, यह विवाद सपा के लिए एक राजनीतिक संकट बन गया है, जिसका असर आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

मुंशी प्रेमचंद: जिनकी कहानियों में सांस लेता है भारत

योगेश कुमार गोयल

आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह और उपन्यास सम्राट महान् कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपने लेखन के माध्यम से न सिर्फ दासता के विरुद्ध आवाज उठाई बल्कि लेखकों के उत्पीड़न के विरुद्ध भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उपन्यासों और कहानियों के अलावा नाटक, समीक्षा, लेख, संस्मरण इत्यादि कई विधाओं में साहित्य सृजन किया। प्रेमचंद ऐसे कहानीकार और साहित्यकार थे, जिन्हें आज भी सबसे ज्यादा पढ़ा जाता रहा है। उन्हें आम आदमी का साहित्यकार भी कहा जाता है। चूंकि उनकी लगभग सभी कहानियां आम जीवन और उसके सरोकारों से ही जुड़ी होती थी, इसीलिए उनके सबसे ज्यादा पाठक आम लोग रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने सम्पूर्ण साहित्य लेखन में एक आम गरीब आदमी की पीड़ा को न केवल समझा बल्कि अपनी कहानियों और उपन्यासों के जरिये उसका निदान बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने अपनी लगभग सभी रचनाओं में आम आदमी की भावनाओं, उनकी परिस्थितियों, समस्याओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक शब्दांकन किया। आज भी हिन्दी भाषी दिग्गज लेखकों और साहित्यकारों का यही मानना है कि मुंशी प्रेमचंद जैसा कलमकार हिन्दी साहित्य में न आज तक कोई हुआ है और न होगा। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को सदैव रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों से निकालने का प्रयास किया। उन्हें हिन्दी साहित्य का माइलस्टोन भी कहा जाता है। कम ही लोग यह जानते हैं कि जो मुंशी प्रेमचंद हिन्दी लेखन के लिए इतने विख्यात रहे हैं, उन्होंने अपने लेखन की शुरूआत उर्दू से की थी। अपना पहला साहित्यिक कार्य उन्होंने गोरखपुर से उर्दू में शुरू किया था और 1909 में कानपुर के जमाना प्रेस से उर्दू में ही उनका पहला कहानी-संग्रह सोज ए वतन प्रकाशित हुआ था, जिसकी सभी प्रतियां ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थी। उस समय में वे उर्दू में नबावराय के नाम से लिखते थे। उनका लिखा कहानी संग्रह जब्त करने के बाद जमाना के सम्पादक मुंशी दयानारायण ने उन्हें परामर्श दिया कि भविष्य में अंग्रेज सरकार की नाराजगी से बचने के लिए नवाब राय के बजाय वे नए उपनाम प्रेमचंद के नाम से लिखना शुरू करें। इस प्रकार वे नवाब राय से प्रेमचंद बन गए। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लमही गांव के डाक मुंशी अजायबलाल के घर 31 जुलाई 1880 को जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव उर्फ मुंशी प्रेमचंद की आज हम 145वीं जयंती मना रहे हैं। प्रेमचंद वकील बनना चाहते थे लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उनका वह सपना पूरा नहीं हो सका। मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी। उनकी दूसरी पत्नी शिवरानी ने ही बाद में उनकी जीवनी लिखी थी।

अपने जीवन के आखिरी दिनों में प्रेमचंद जलोदर नामक बीमारी से ग्रसित हो गए थे। 8 अक्तूबर 1936 को दुनिया से अलविदा हो गए। मुंशी प्रेमचंद एक दिन बालेमियां मैदान में महात्मा गांधी का भाषण सुनने गए और उनके विचारों से इस कदर प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और उसके बाद पूरी तरह से स्वतंत्र लेखन में जुट गए।

अपने जीवनकाल में मुंशी प्रेमचंद ने कुल 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें और हजारों की संख्या में लेखों व संस्मरणों की रचना की। उनके चर्चित उपन्यासों में बाजार-ए-हुस्न (उर्दू में), गोदान, कर्मभूमि, गबन, सेवा सदन, कायाकल्प, मनोरमा, निर्मला, प्रतिज्ञा प्रेमाश्रम, रंगभूमि, वरदान, प्रेमा इत्यादि और कहानियों में पूस की रात, नमक का दरोगा, बूढ़ी काकी, कफन, मंत्र, नशा, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, बड़े भाईसाहब, बड़े घर की बेटी, उधार की घड़ी, जुमार्ना इत्यादि बहुत प्रसिद्ध रही। अपना अंतिम कालजयी उपन्यास गोदान उन्होंने वर्ष 1936 में लिखा, जो बेहद चर्चित रहा और आज भी आधुनिक क्लासिक माना जाता है। प्रेमचंद की कुछ कहानियों पर उनके निधन के बाद फिल्में भी बनी। 1980 में उनके उपन्यास निर्मला पर एक टीवी धारावाहिक भी बना, जो काफी लोकप्रिय हुआ था। 1938 में उनके एक उपन्यास सेवासदन पर फिल्म बनी। 1963 में गोदान और 1966 में गबन उपन्यास पर फिल्में बनी।

धार्मिक स्थलों में हो रही भगदड़ का आखिर जिम्मेदार कौन ?

अशोक भाटिया

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़-भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त, तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटें हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।

पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है?ऐसी घटनाएँ देश भर में धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक समारोहों में घातक भगदड़ की श्रृंखला में नवीनतम है।मंदिरों, रेलवे स्टेशनों और महाकुंभ जैसे बड़े स्थानों पर हुई त्रासदियों में इस साल अब तक 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

गौरतलब है कि हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में सावन के पवित्र अवसर पर घटी भगदड़ की घटना ने एक बार फिर हमारी व्यवस्थागत असफलताओं और भीड़ प्रबंधन की कमजोरी को उजागर कर दिया है। अफवाहों से उपजी यह त्रासदी महज एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि वर्षों से चली आ रही लापरवाहियों और अनदेखियों का परिणाम है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी धार्मिक स्थल पर भीड़ बेकाबू हुई हो और निर्दोष श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी हो। हर बार ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासनिक हलचल तो होती है, परंतु समय के साथ सबक भुला दिए जाते हैं और वही चूक दोहराई जाती है।धार्मिक आयोजन, विशेष अवसरों और मेलों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं। भीड़ का यह स्वाभाविक संकेंद्रण प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। क्राउड मैनेजमेंट या भीड़ नियंत्रण कोई नया मुद्दा नहीं है, लेकिन भारत जैसे देश में, जहां आस्था के नाम पर लोगों का एक अपार जनसैलाब स्वतःस्फूर्त रूप से उमड़ता है, वहां इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तविकता यह है कि अधिकतर धार्मिक आयोजनों में भीड़ का कोई सटीक पूर्वानुमान नहीं लगाया जाता। लोग कितनी संख्या में आएंगे, कब आएंगे, किस मार्ग से प्रवेश करेंगे और किस दिशा से बाहर निकलेंगे, यह सब अक्सर नियोजन के अभाव में अधर में रहता है। ऐसे में, किसी भी छोटी-सी अफवाह, धक्का-मुक्की या अप्रत्याशित स्थिति से भगदड़ जैसी त्रासदियां जन्म लेती हैं। पिछले एक वर्ष के भीतर ही कई बड़े हादसे यह सिद्ध कर चुके हैं कि हमारी प्रशासनिक तैयारी, तकनीकी व्यवस्था और एक विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान आयोजक भीड़ का अनुमान नहीं लगा पाए। अफरा-तफरी मची और 121 लोगों की मौत हो गई।

पूर्व राज्यपाल बलात्कार के आरोप में जेल भेजे गए, युवती पर लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप

एजेंसी

काठमांडू। मधेश प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राजेश झा अहिराज को काठमांडू की जिला अदालत ने बलात्कार के आरोप में न्यायिक हिरासत में रखने का आदेश दिया है। पूर्व राज्यपाल अहिराज ने अपने ऊपर बलात्कार का आरोप लगाने वाली युवती पर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। पूर्व राज्यपाल राजेश झा अहिराज पर एक 23 वर्षीय युवती ने नौकरी का झांसा देकर बलात्कार करने का आरोप लगाया था। राजेश झा के राज्यपाल रहते की गई शिकायत पर पुलिस ने जिला अदालत में मुकदमा दर्ज किया था। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आज ही यह फैसला सुनाया है। काठमांडू जिला अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। जिला अदालत के न्यायाधीश पीतांबर शर्मा ने जेल में रह कर मुकदमे की कार्रवाई चलाने का आदेश दिया है। हालांकि, पूर्व राज्यपाल अहिराज ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों का खंडन किया है। अहिराज ने अपने ऊपर बलात्कार का आरोप लगाने वाली युवती के खिलाफ ही एक एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने युवती पर पैसों के लिए ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाया है। अहिराज ने एफआईआर में युवती पर पहले 20 लाख रुपये मांगने और नहीं देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की बात कही गई है।

चिली ने ईस्टर द्वीप के लिए जारी की सुनामी चेतावनी, निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

सैंटियागो (चिली)। चिली सरकार ने ईस्टर द्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है और वहां के निवासियों को तुरंत सुरक्षित क्षेत्रों की ओर जाने का निर्देश दिया है। यह चेतावनी रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप के बाद जारी की गई है। ईस्टर द्वीप, जो प्रशांत महासागर में चिली की मुख्यभूमि से लगभग 3,200 किलोमीटर दूर स्थित है, यहां लगभग 8,000 लोगों के घर हैं। यह द्वीप अपनी ऐतिहासिक मोआई मूर्तियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना रहता है। चिली की आपदा निवारण एजेंसी सेनाप्रेड ने एक आधिकारिक बयान में कहा, नागरिकों से अनुरोध है कि वे शांति बनाए रखें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। राहत और बचाव टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने द्वीप के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों से ऊंचाई वाले इलाकों में जाने की अपील की है। इस बीच, अधिकारियों ने तटीय गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगा दी है और स्कूलों व सार्वजनिक स्थलों को बंद कर दिया गया है। भूकंप का केंद्र रूस के कामचटका प्रायद्वीप के निकट समुद्र में था, लेकिन इसका असर प्रशांत क्षेत्र के कई हिस्सों में महसूस किया जा रहा है। ईस्टर द्वीप के निवासियों के लिए यह चेतावनी ऐहतियात के तौर पर जारी की गई है।

गाज़ा में कुपोषण से सात और लोगों की मौत

दुबई। गाजा पट्टी में पिछले 24 घंटों में कुपोषण से सात और लोगों की मौत हो गई है। फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय ने बताया कि 2023 में इज़रायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई जिसमें 89 बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने मंगलवार को चेतावनी दी कि गाज़ा में अकाल की सबसे खराब स्थिति वर्तमान में चल रही है। इज़रायल ने कहा है कि वह गाज़ा में आने वाली सहायता पर प्रतिबंध नहीं लगा रहा है , लेकिन उसका ये दावा यूरोप में उसके करीबी सहयोगियों, संयुक्त राष्ट्र और गाज़ा में सक्रिय अन्य एजेंसियों द्वारा स्वीकार नहीं किया गया हैं। इस बीच अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इज़रायल की यात्रा पर जायेंगे। एक अलग घटनाक्रम में गाजा अस्पताल के सूत्रों ने बीबीसी को बताया कि दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के सहायता वितरण केंद्र के पास छह फिलिस्तीनी मारे गए। सूत्रों ने बताया कि भीड़ ने वितरण केंद्र के खुलने से कुछ देर पहले ही उसमें घुसने की कोशिश की थी और एक इज़रायली टैंक ने उन पर हमला कर दिया।

दक्षिणी म्यांमार में बाढ़ के कारण 2,800 से अधिक लोगों को निकाला गया

यांगून। म्यांमार के कायिन प्रांत के म्यावड्डी कस्बे में बाढ़ में फंसे 771 घरों के कुल 2,851 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। म्यांमार अग्निशमन सेवा विभाग (एमएफएसडी) ने यह जानकारी दी। एमएफएसडी ने कहा कि भारी बारिश के कारण थाउंग्यिन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया जिसके कारण लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मौसम एवं जल विज्ञान विभाग के अनुसार आज म्यावड्डी में नदी खतरे के निशान से लगभग 12 फीट ऊपर बह रही है और अगले दिन तक खतरा बना रहने की आशंका है।

ट्रंप बोले, 'कौन जाने, हो सकता है पाकिस्तान किसी दिन भारत को बेचे तेल'

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (भारतीय समयानुसार) घोषणा की है कि अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों देश मिलकर 'विशाल तेल भंडार' का संयुक्त रूप से विकास करेंगे। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में यह तेल भारत को निर्यात किया जा सकता है। यह घोषणा ऐसे समय में आई जब ट्रंप ने एक दिन पहले ही भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही रूस के साथ भारत के तेल और हथियारों के व्यापार को लेकर और सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी गई है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर ट्रंप ने लिखा, 'हमने पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल

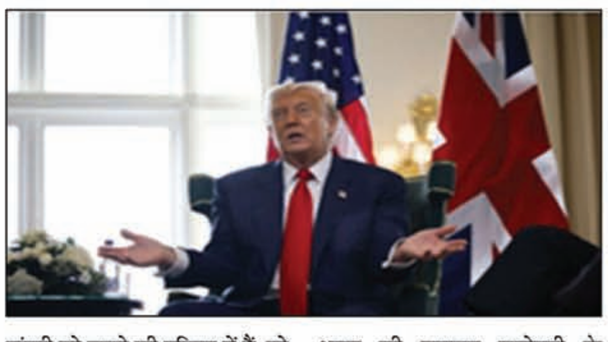

कंपनी को चुनने की प्रक्रिया में हैं, जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जाने, हो सकता है कि वह किसी दिन भारत को तेल बेचें!' ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करते हुए यह संकेत भी दिया है कि कच्चे तेल और रक्षा उपकरणों को लेकर रूस के साथ भारत की लगातार साझेदारी के जवाब में आर्थिक दबाव और बढ़ाया जा सकता है। अपनी पोस्ट में, ट्रंप ने यह भी कहा कि वह टैरिफ में कटौती के लिए कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम व्हाइट हाउस में व्यापार समझौतों पर काम करने में बहुत व्यस्त हैं। मैंने कई देशों के नेताओं से बात की है, जो सभी अमेरिका को 'बेहद खुश' करना चाहते हैं। ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ होने वाली एक बैठक का जिक्र करते हुए बताया कि सोल पर वर्तमान में 25 प्रतिशत टैरिफ दर लागू है। उन्होंने आगे कहा, 'उनके पास इन टैरिफ को कम करने का प्रस्ताव है। मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि वह प्रस्ताव क्या है।'

ट्रंप ने कहा कि इस तरह के समझौते अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने में मदद करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने 'उचित समय पर' पूरी रिपोर्ट देने का वादा किया।

सऊदी अरब ने 12 ईरानी मछुआरों को रिहा किया : ईरानी दूतावास

एजेंसी

तेहरान। सऊदी अरब में कैद 12 ईरानी नागरिकों को रिहा कर उनके स्वदेश भेज दिया गया है। यह जानकारी ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने दी। रिहा किए गए सभी व्यक्ति मछुआरे हैं, जिन्हें सऊदी जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ईरान के दूतावास के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि इन मछुआरों की रिहाई कानूनी कार्यवाहियों और आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद संभव हो सकी। दूतावास ने यह भी बताया कि इस पूरे प्रकरण में लगातार राजनयिक प्रयास और सऊदी अधिकारियों के साथ संवाद की अहम भूमिका रही। हालांकि रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं है कि इन मछुआरों को कब गिरफ्तार किया गया था और उनकी रिहाई तथा स्वदेश वापसी की तारीखें क्या थीं।

अब भी 15 मछुआरे बंद हैं

तसनीम एजेंसी ने यह भी जानकारी दी है कि अब भी 15 अन्य ईरानी मछुआरे सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं, जिन पर इसी तरह का

आरोप है। ईरानी दूतावास उनके मामलों को भी प्राथमिकता के साथ सऊदी विदेश मंत्रालय के समक्ष उठा रहा है, ताकि उनकी भी जल्द रिहाई सुनिश्चित की जा सके।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के बेतगारी संघ के अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर बुधवार शाम रंगपुर डिवीजन की एक अदालत में पेश किया। अदालत ने पांचों को जेल भेज दिया। अलदादपुर बालापारा गांव रंगपुर के गंगाचारा उपजिले में आता है। द डेली स्टार की खबर के अनुसार, किशोरगंज पुलिस थाना के प्रभारी अशरफुल इस्लाम ने बताया कि रंगपुर की अदालत ने यासीन अली (25), स्वाधीन मिया (28), अशरफुल इस्लाम (28), अतीकुर रहमान खान (30) और सद्दाम हुसैन सलीम (22) को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सभी आरोपित निलफामारी के किशोरगंज उपजिले के अंतर्गत मगुरा गांव के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक अशरफुल ने बताया कि संयुक्त बलों के सदस्यों ने तड़के आरोपितों को उनके घरों से दबोचा।

इससे पहले मंगलवार रात पीड़ितों में से एक रवींद्र नाथ रॉय ने गंगाचारा मॉडल पुलिस थाने में तोड़फोड़ और लूटपाट का मामला दर्ज कराया था। प्राथमिकी में 1,200 अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है। रॉय का आरोप है कि उनके पांच मवेशी, नकदी और सोने के आभूषण लूट लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदू समुदाय पर हमला शनिवार रात और रविवार दोपहर किया गया था।

बीआरएएस ने बलूचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य बलों पर हमले और वाहनों को फूंकने की जिम्मेदारी ली

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आजादी की लड़ाई में शामिल सशस्त्र समूहों के समन्वयक संगठन 'बलूच राजी आजोई संगर' (बीआरएएस) ने जमुरान क्षेत्र में पाकिस्तान के सैन्य बलों और उनको रसद सामग्री की आपूर्ति करने वाले वाहनों पर हमला करने का दावा किया है। बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने स्वीकार किया कि यह हमला उसके लड़ाकों ने किया। लड़ाकों ने सुरक्षा बल के कई जवानों को ढेर कर दिया।द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने 30 जुलाई को जारी बयान में यह दावा किया है। प्रवक्ता खान ने कहा कि 28 जुलाई की रात संगठन के लड़ाकों ने जमुरान के नवानो के पास पाकिस्तान सेना के लिए रसद सामग्री ले जा रहे वाहनों को रोककर उनमें आग लगा दी और चेतावनी देने के बाद ड्राइवरों को छोड़ दिया।बयान में कहा गया कि बीआरएएस के

लड़ाके रातभर इलाके में जमे रहे और 29 जुलाई को दूसरा हमला किया। पाकिस्तान सेना के वाहनों और मोटरसाइकिलों के काफिले पर कथित तौर पर रिमोट-नियंत्रित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल कर हमला किया गया। इसके बाद स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की। बीआरएएस ने दावा किया कि हमले में पांच सैन्यकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। बीआरएएस ने जमुरान के कुछ स्थानीय निवासियों पर सेना की मदद करने का आरोप लगाया है। समूह ने चेतावनी दी है कि लोग ऐसा न करें, वरना उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की जिम्मेदारी उन्हीं लोगों की होगी। बीआरएएस ने बयान में बलूचिस्तान की मुक्ति तक पाकिस्तान की सेना और उसके सहयोगियों के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 80 हजार बच्चों को हैजा का खतरा, संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिम और मध्य अफ्रीका में हैजा के बढ़ते मामलों को लेकर फिक्र जाहिर की है। यूएन ने चेताया है कि बरसात के मौसम में लगभग 80,000 बच्चे हैजा की चपेट में आ सकते हैं। सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से बताया कि कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और नाइजीरिया में हैजा का प्रकोप ज्यादा है और इस वजह से पड़ोसी देशों में संक्रमण का जोखिम बढ़ गया है। इस स्थिति ने क्षेत्र में स्वास्थ्य संकट को और गहरा दिया है। हक ने कहा कि चाड, कांगो गणराज्य, घाना, कोट डी आइवर और टोगो जैसे देश वर्तमान में हैजा की महामारी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा, नाइजर, लाइबेरिया, बेनिन, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और कैमरून अपनी भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण इस

बीमारी के प्रति अति संवेदनशील हैं और इन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बारिश का मौसम इस स्थिति को और जटिल बना रहा है, क्योंकि दूषित पानी और अपर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं हैजा के प्रसार में मदद करती हैं। यूनिसेफ ने प्रकोप की शुरुआत से ही प्रभावित क्षेत्रों में सक्रियता से काम शुरू कर दिया है। संगठन उपचार केंद्रों और समुदायों को स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता और सफाई से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहा है। इसके साथ ही, हैजा टीकाकरण अभियानों को बढ़ाने और परिवारों को स्वच्छ प्रथाओं के प्रति जागरूक करने के प्रयास तेज किए गए हैं। हक ने कहा कि इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए तत्काल और व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने आगामी तीन महीनों में इमरजेंसी रिस्पॉन्स को ध्यान में रख 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया है। यह राशि स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छ जल आपूर्ति, स्वच्छता सुविधाओं, जोखिम संचार और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने में उपयोग की जाएगी। यूनिसेफ ने वैश्विक समुदाय से इस संकट से निपटने के लिए त्वरित सहायता की अपील की है ताकि हजारों बच्चों की जान बचाई जा सके और क्षेत्र में हैजा प्रसार को रोका जा सके।की आपूर्ति फिर से शुरू करने की अनुमति देना और यह स्पष्ट करना शामिल है।

ट्रंप प्रशासन निजी टेक कंपनियों के साथ मिलकर लॉन्च करेगा नया डिजिटल हेल्थ ट्रैकिंग सिस्टम

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन एक नई डिजिटल स्वास्थ्य पहल शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत लाखों अमेरिकी नागरिकों को अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य जानकारी और मेडिकल रिकॉर्ड मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यह व्यवस्था निजी टेक कंपनियों के सहयोग से विकसित की जा रही है, जिसमें गूगल, अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों और क्लिवलैंड क्लिनिक जैसे प्रमुख अस्पताल समूहों की भागीदारी है। व्हाइट हाउस में इस नई योजना पर चर्चा के लिए 60 से अधिक कंपनियों और स्वास्थ्य संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। प्रशासन इस पहल को ÷डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम÷ नाम दे रहा है, जिसका उद्देश्य अमेरिका में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार करना है। नई प्रणाली विशेष रूप से डायबिटीज नियंत्रण, वजन प्रबंधन, और संवादी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर केंद्रित होगी, जो मरीजों को परामर्श और संवाद में मदद करेगी। इसके अलावा, क्यूआर कोड और ऐप-आधारित सिस्टम से मरीजों की जांच प्रक्रिया, दवा ट्रैकिंग और अस्पताल रजिस्ट्रेशन को और अधिक आसान बनाया जाएगा।

हालांकि इस पहल को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन इसके साथ डेटा गोपनीयता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं।

नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद को अगले तीन साल में सुलझाने पर सहमति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और भारत के वरिष्ठ अधिकारियों ने तीन साल के भीतर द्विपक्षीय सीमा विवाद का समाधान करने पर सहमति व्यक्त की है। नई दिल्ली में नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह (बीडब्ल्यूजी) की सातवीं बैठक में नेपाल का प्रतिनिधित्व कर काठमांडू लौटे सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक प्रकाश जोशी ने कहा कि सुस्ता और कालापानी के अलावा नेपाल-भारत सीमा के तकनीकी समस्याओं को तीन साल के भीतर सुलझाने करने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि बीडब्ल्यूजी को दिए गए जनादेश के अनुसार हमने एक नई समय सीमा निर्धारित की और जल्द से जल्द फील्ड वर्क को फिर से शुरू करने का फैसला किया। जोशी ने बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल का

नेतृत्व किया, जिसमें विदेश मामलों के मंत्रालयों, रक्षा और गृह और सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। नेपाल और भारत के बीच कोविड और सीमा विवाद के कारण 2019 के बाद भी बीडब्ल्यूजी की बैठक को छह साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। सीमा कार्यों को समाप्त करने के लिए समयरेखा और रोडमैप तैयार करने के लिए दोनों पक्ष अगस्त में नेपाल में सर्वेक्षण अधिकारियों की समिति (एसओसी) की 12वीं बैठक बुलाने पर सहमत हुए हैं। तीन साल की समयसीमा को पूरा करने के लिए दोनों पक्ष संयुक्त फील्डवर्क को तुरंत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। तीन वर्षों के भीतर नेपाल और भारत के सर्वेक्षण अधिकारी नए सीमा स्तंभों का निर्माण करेंगे और क्षतिग्रस्त स्तंभों की मरम्मत करेंगे। जोशी के अनुसार दोनों पक्ष 'नो-मैन्स लैंड' में दोनों तरफ से किए गए अतिक्रमणों की सूची तैयार करेंगे और दोनों पक्षों के नागरिकों द्वारा संपत्तियों की क्रॉस होल्डिंग्स की सूची तैयार करेंगे।

टैरिफ युद्ध में किसी की जीत नहीं: चीन ने अमेरिका को चेताया

एजेंसी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के साथ जारी व्यापारिक तनाव के बीच स्पष्ट कहा है कि टैरिफ युद्ध में किसी की जीत नहीं होती, और दबाव या धमकी से समस्याओं का समाधान नहीं निकलेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका की ओर से चीन-रूस ऊर्जा व्यापार पर आपत्ति जताई गई है और अधिक टैरिफ लगाने की चेतावनी दी गई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया से बातचीत में कहा, बीजिंग आशा करता है कि अमेरिका राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई फोन वार्ता में बनी 'महत्वपूर्ण सहमति' का सम्मान करेगा और द्विपक्षीय स्थिरता को बढ़ावा देगा। हालांकि, गुओ ने यह भी दोहराया कि चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित

करने के लिए रूस से तेल और गैस की खरीद जारी रखेगा। उन्होंने कहा, चीन अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार तर्कसंगत उपाय करेगा। प्रभुत्व, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा चीन पूरी दृढ़ता से करेगा।

अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित कंपनियों को राहत देने का वादा

इस बीच, चीन की शीर्ष नेतृत्व संस्था पोलितब्यूरो ने अपनी ग्रीष्मकालीन आर्थिक योजना बैठक में अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे टैरिफ से प्रभावित चीनी कंपनियों को मदद देने का संकल्प लिया है। हालांकि, अमेरिका के साथ हाल की व्यापार वार्ता के बाद भी कोई बड़ा नीतिगत बदलाव घोषित नहीं किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निर्यात टैक्स रिबेट, फ्री ट्रेड पायलट ज़ोन और निवेश प्रोत्साहन जैसे उपायों के जरिए विदेशी व्यापार और निवेश को स्थिर किया जाएगा।

न्यूजीलैंड में सुनामी गतिविधि शुरू, तटीय इलाकों में लहरें और तेज धाराएं दर्ज

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि देश के तटवर्ती क्षेत्रों में सुनामी की गतिविधि शुरू हो चुकी है। बुधवार देररात देशभर में मोबाइल फोन पर अलर्ट प्रसारित कर लोगों को समुद्र, तटों, बंदरगाहों, नदियों और खाड़ियों से दूर रहने की सलाह दी गई। हालांकि अब तक किसी इलाके में अनिवार्य निकासी आदेश जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मजबूत समुद्री धाराएं और लहरों का अचानक उठना लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। न्यूजीलैंड, भूकंप के केंद्र से लगभग 6,000 मील दूर है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप के कारण उत्पन्न लहरों की पहली श्रृंखला सबसे बड़ी नहीं हो सकती। आने वाले समय में और भी बड़ी लहरें तटों से टकरा सकती हैं। अधिकारियों ने कहा है कि यह खतरा गुरुवार दोपहर तक बना रह सकता है और तब तक लोग समुद्री इलाकों से पूरी तरह दूर रहें। आपातकालीन विभाग ने लोगों से सावधानी और संयम बरतने की अपील की है और कहा है कि जब तक आधिकारिक रूप से अलर्ट रद्द नहीं किया जाता, तब तक सभी को इस खतरे को वास्तविक और गंभीर मानना चाहिए।

फ्रांस, ब्रिटेन के बाद कनाडा भी फिलिस्तीन को मान्यता देगा, इजराइल ने इन कोशिशों को पाखंड बताया

एजेंसी

ओटावा। फ्रांस और ब्रिटेन के बाद कनाडा और माल्टा ने भी फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की है।सितंबर में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में कनाडा, फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा।

पिछले दस दिनों के भीतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देने की घोषणा की। फिलिस्तीन के मुद्दे पर फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के साथ आने से जी-7 के तीन महत्वपूर्ण देश एकसाथ आ गए हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि कनाडा 23 सितंबर से शुरू हो रही संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश का दर्जा देने संबंधी कदम उठाएगा। हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें जोड़ते हुए कार्नी ने कहा कि फिलिस्तीन को साल 2026 में आम चुनाव कराने होंगे, जिसमें हमास को कोई भूमिका नहीं होगी। साल 2006 के बाद से वहां चुनाव नहीं हुए हैं। साथ ही हथियार मुक्त फिलिस्तीन की शर्त जोड़ी गई है। कार्नी ने इस संबंध में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात कर इन शर्तों का उल्लेख किया। कार्नी के मुताबिक फिलिस्तीन के राष्ट्रपति ने शर्तों को लेकर अपनी सहमति दे दी है।

उधर, माल्टा के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव क्रिस्टोफर कटाजार ने कहा कि उनका देश सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा। खास बात यह है कि ब्रिटेन और कनाडा ने फिलिस्तीन को मान्यता देने के लिए शर्तें रखी हैं। ब्रिटेन का कहना है कि इजराइल अगर हमास के साथ सीजफायर पर

सहमत नहीं होता है तो वह सितंबर में फिलिस्तीन को मान्यता देगा। कनाडा ने अगले साल चुनाव कराने और हथियारमुक्त फिलिस्तीन की शर्त रखी है। जबकि फ्रांस ने फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश की मान्यता देने की मुहिम शुरू करते हुए बिना शर्त समर्थन दिया है। फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश का दर्जा दिए जाने की इन घोषणाओं का इजराइल कड़ा विरोध करता रहा है। कनाडा की घोषणा के बाद इजराइल के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि यह गाजा में संघर्षविराम और बंधकों की रिहाई की कोशिशों को बाधित करेगा। इजराइल ने इसे पाखंड और समय की बर्बादी करार दिया है। फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में 147 देशों का समर्थन है लेकिन संयुक्त राष्ट्र से उसे अभीतक अलग देश की मान्यता नहीं मिली है। फिलिस्तीन 70 के दशक से ही संयुक्त राष्ट्र में स्वतंत्र देश की मान्यता के लिए प्रयासरत है। गाजा में इजराइल और हमास के बीच करीब दो साल से जारी संघर्ष में अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। वहां खाद्यान्न संकट के साथ शरणार्थी शिविरों पर हमले से गहरा मानवीय संकट पैदा हो गया है। इसे लेकर इजराइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है।

रिलायंस फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 2025 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। आरआईएल ने पिछले चार वर्षों में 67 पायदान की छलांग लगाई है। फॉर्च्यून ग्लोबल की जारी नवीनतम रैंकिंग के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज नवीनतम सूची में 88वें स्थार पर है। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 31 मार्च 2025 को या उससे पहले समाप्त हुए वित्त वर्षों के लिए कुल राजस्व के आधार पर कंपनियों को रैंक करती है। इस साल फॉर्च्यून की ग्लोबल 500 सूची में भारत की नौ कंपनियां शामिल हैं। इनमें से पांच सार्वजनिक क्षेत्र की और चार निजी क्षेत्र की हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम 95वें स्थान पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 की सूची में शामिल होने का 22वां साल है, जो भारत की किसी भी अन्य निजी क्षेत्र की कंपनी की तुलना में काफी लंबा है। फॉर्च्यून ग्लोबल ने तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र की इस कंपनी को नवीनतम सूची में 88वें स्थान पर रखा गया है, जो 2024 में 86वें स्थान से नीचे है। हालांकि, कंपनी ने पिछले चार वर्षों में 67 स्थानों की भारी बढ़त हासिल की है, जो 2021 में 155वें स्थान पर थी। इस तरह कंपनी ने पिछले चार साल में 67 पायदान की छलांग लगाई है।

ट्रंप के टैरिफ कार्ड से टूटा रुपया, डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा में 61 पैसे की गिरावट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 20 से 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का संकेत देने के कारण मुद्रा बाजार में रुपया बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 61 पैसे फिसल कर 87.43 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 86.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 28 पैसे की कमजोरी के साथ 87.10 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया मामूली सुधार के साथ 87.05 के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद अमेरिका द्वारा भारत पर 20 से 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाए जाने की आशंका की वजह से बने घबराहट के माहौल में रुपया लगातार गिरता चला गया। इसी घबराहट के कारण रुपया डॉलर की तुलना में 70 पैसे की कमजोरी के साथ 87.52 के स्तर तक गिर गया। बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर भारतीय मुद्रा ने निचले स्तर से 9 पैसे की रिकवरी करके 87.43 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट का आईपीओ 5 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 95-100 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 5 अगस्त को खुलेगा। रियल एस्टेट कंपनी सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 95-100 रुपये प्रति शेयर तय किया है। ये ग्रॉस एसेट वैल्यू (जीएवी) के आधार पर भारत का सबसे बड़ा आरईआईटी है, जो लिस्टिंग के बाद सबसे अधिक ज्योग्राफिकली डायवर्स ऑफिस आरईआईटी होगा। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि यह आईपीओ पांच अगस्त को खुलकर 7 अगस्त को बंद होगा। इस निर्गम के लिए मूल्य का दायरा 95 से 100 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने इस आईपीओ लाने और आरईआईटी को शेयर बाजारों पर सूचीबद्ध करने के लिए मार्च की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेजों का मसौदा (डीआरएचपी) दाखिल किया था। इसमें एंकर निवेशक और स्ट्रैटेजिक निवेशक के अलावा अन्य निवेशक कम से कम 150 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इसके बाद 150 यूनिट्स के गुणकों में बोली बढ़ा सकते हैं। एंकर निवेशक के लिए बोली की तारीख आईपीओ खुलने से एक दिन पहले 4 अगस्त है।

ट्रंप के दबाव के बावजूद फेडरल रिजर्व ने नहीं घटायी ब्याज दर

वाशिंगटन। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव को दरकिनार करते हुये नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। फेडरल मुक्त बाजार समिति (एफओएमसी) की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि वह अधिकतम रोजगार और दीर्घावधि में दो प्रतिशत मुद्रास्फीति दर का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। उसने कहा कि आर्थिक परिदृश्य को लेकर अनिश्चितताएँ बढ़ गयी हैं। समिति ने कहा कि उसने फेडरल फंड के लिए 4.25 से 4.5 प्रतिशत ब्याज दर बनाये रखने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रंप चाहते थे कि फेड नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करे। वह पिछले सप्ताह फेडरल रिजर्व के मुख्यालय भी गये थे, जो आम तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं करते। उन्होंने बुधवार सुबह ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में भी लिखा, दूसरी तिमाही के जीडीपी के आँकड़े आ गये हैं: 3 प्रतिशत, उम्मीद से कहीं बेहतर। पहले ही बहुत देर हो चुकी है, अब दरों में कटौती करें। कोई मुद्रास्फीति नहीं! लोगों को अपना घर खरीदने दें और रिफाइनेंस करने दें। फेड ने अपने बयान में माना है कि मुद्रास्फीति में कुछ सुधार हुआ है, बेरोजगारी दर कम है और श्रम बाजार की स्थिति मजबूत है, हालाँकि हालिया संकेतक बताते है।

केंद्र ने दिल्ली को दी 821.26 करोड़ की विशेष सहायता : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को 821.26 करोड़ रुपये की विशेष सहायता राशि प्रदान की है। इसमें से 66 प्रतिशत राशि तुरंत जारी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने इस राशि को मंजूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है और कहा कि उनके मार्गदर्शन से देश की राजधानी सही मायनों मे विकसित दिल्ली बनने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 'राज्यों के लिए पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना' (एसएएससीआई) 2025-26 के अंतर्गत दिल्ली के विकास के लिए 821.26 करोड़ रुपये राशि मंजूर की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से मिली इस विशेष सहायता राशि से दिल्ली के बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।

बुनियादी ढांचे का विकास होने से ही दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इसमें से 716.00 करोड़ रुपये की राशि पार्ट-I के अंतर्गत 33 बहु-प्रतीक्षित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए मंजूर की गई है, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, परिवहन, जल संसाधन और बिजली जैसे जन-सेवा क्षेत्रों की योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कुल स्वीकृत राशि का 66 प्रतिशत हिस्सा (प्रथम किश्त) तुरंत जारी कर दिया गया, जिससे परियोजनाओं के शीघ्र आरंभ करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा 105.26 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि (पार्ट-III के अंतर्गत) एमआरटीएस फेज-4 के प्रायोरिटी कॉरिडोर से संबंधित परियोजनाओं के लिए स्वीकृत की गई है। यह केवल एक वित्तीय स्वीकृति नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में विकसित दिल्ली के लिए एक ठोस आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में वह फिर केंद्र सरकार के पास जाएंगी और दिल्ली के सर्वांगीण विकास के लिए और बजट लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की राजधानी को आदर्श शहर बनाने का वादा किया है और हमारी सरकार उनके प्रयासों में महती भागीदारी निभाएगी।

क्रेडिफिन लिमिटेड ने गुजरात में परिचालन शुरू करने का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्रेडिफिन लिमिटेड (पूर्व नाम पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड) ने गुजरात में अपने संचालन की शुरुआत करने का ऐलान किया। इसके साथ ही क्रेडिफिन लिमिटेड का परिचालन अब देश के 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में होने लगा है। क्रेडिफिन लिमिटेड ने जारी बयान में बताया कि वह अगस्त, 2025 से गुजरात के पांच प्रमुख शहरों अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट, सूरत और वडोदरा में अपने संचालन की शुरुआत करेगी। कंपनी इन शहरों में ई-रिक्शा, ई-लोडर और इलेक्ट्रिक दोपहिया के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ऋण खंड की पेशकश करेगी। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शल्य गुप्ता ने कहा, क्रेडिफिन भारत की हरित परिवहन क्रांति में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदार है। उन्?होंने बताया कि यह ई-रिक्शा एवं ई-लोडर खंड में मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) की एक स्थापित साझेदार है। गुप्?ता ने आगे कहा, गुजरात हमारे लिए एक रणनीतिक अवसर पेश करता है, जहां

हम स्थानीय ईवी डीलरशिप, ओईएम और वित्तीय प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर एकीकृत वित्तीय समाधान प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक गुजरात के सभी प्रमुख शहरों में उपस्थित होना है। क्रेडिफिन शुरुआत में गुजरात में 30 से 40 कर्मचारियों को नियुक्त करेगी, जो अगले वर्ष के अंत तक बढ़कर 100 तक पहुंच जाएगी।

रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी की छुट्टी के मद्देनजर पेटीएम ट्रैवल देगा यात्रा पर छूट

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी त्योहारों को देखते हुए पेटीएम (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने पेटीएम ट्रैवल मेगा फेस्टिवल सेल की घोषणा की है। यह ऑफर रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी जैसे आगामी त्योहारों के लिए उड़ानों और बस बुकिंग पर अधिकतम 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान करता है।

यह सेल 31 जुलाई तक लाइव है, इसे त्योहारों के दौरान परिवार से मिलने, लंबे सप्ताहांत की यात्राओं या छुट्टियों की योजनाओं को अधिक किफायती बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक और आरबीएल बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के साथ साझेदारी की है ताकि कार्डधारकों को विशेष छूट दी जा सके। इन बैंकों के खाता धारकों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 से 12 प्रतिशत तक की छूट मिलेगा। ट्रेन यात्रा करने वाले उपयोगकर्ता जो पेटीएम के माध्यम से बुकिंग करते हैं, वे यूपीआई द्वारा भुगतान करते समय शून्य पेमेंट गेटवे शुल्क का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही, प्लेटफ़ॉर्म मुफ्त कैंसलेशन की सुविधा भी दे रहा है, जिसमें 100 प्रतिशत त्वरित रिफंड सीधे स्रोत खाते में ट्रांसफर होता है- यह सभी प्रकार की ट्रेन टिकट बुकिंग, यहां तक कि तत्काल टिकटों पर भी लागू है। उपयोगकर्ता लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, पीएनआर अपडेट और टिकट एश्योर सेवा का लाभ भी उठा सकते हैं। यह सेवा यात्रियों को पास के स्टेशनों, कनेक्टिंग रूट्स और लचीली यात्रा तिथियों के विकल्पों के माध्यम से कन्फर्म टिकट पाने में मदद करती है।पेटीएम ट्रैवल प्रवक्ता ने कहा, त्योहार परिवारों को एक साथ लाते हैं, और यात्रा उन पुनर्मिलनों का एक अनिवार्य हिस्सा है। पेटीएम ट्रैवल मेगा फेस्टिवल सेल के माध्यम से, हम अपने उपयोगकर्ताओं को आगामी लंबे सप्ताहांत का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करना चाहते हैं, वह भी शानदार छूट और आसान, सुरक्षित बुकिंग अनुभव के साथ। हम अपने मजबूत बैंक साझेदारों और ग्राहक-केंद्रित ऑफ़र्स के ज़रिए यात्रा को और अधिक सुलभ और आनंददायक बना रहे हैं। पेटीएम ट्रैवल ने हाल ही में ट्रैवल पास पेश किया है, जो बार-बार यात्रा करने वालों के लिए महत्वपूर्ण बचत व सुविधा देने वाला एक सब्सक्रिप्शन आधारित ऑफर है। यह पास मुफ्त कैंसलेशन और मुफ्त यात्रा बीमा जैसी सुविधाएं देता है, जिससे यह यात्रियों के लिए एक किफायती विकल्प बनता है।कंपनी ने अगोडा के साथ साझेदारी की है जिससे उपयोगकर्ता पेटीएम ऐप पर होटल बुक कर सकते हैं और भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों पर अगोडा की विस्तृत स्टे रेंज का लाभ उठा सकते हैं।

ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का किया ऐलान, एक अगस्त से होगा लागू

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 फीसदी टैरिफ (शुल्क) लगाने का ऐलान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है। इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे। ट्रंप ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं, जो एक अगस्त से लागू होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल आयात करने के लिए भारत से आयातित सभी वस्तुओं पर दंडात्मक उपाय के तौर पर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की है। ये 25 फीसदी शुल्क से अलग होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ अपेक्षाकृत 'कम व्यापार' किया है, वार्ता में भारत के दृष्टिकोण से अतिरिक्त 26 फीसदी के टैरिफ को हटाना और स्टील, एल्युमीनियम तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र पर टैरिफ में ढील

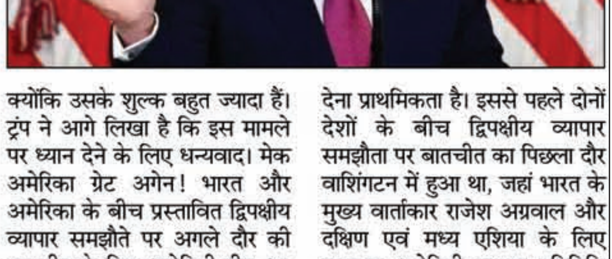

क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। ट्रंप ने आगे लिखा है कि इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन! भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम 25 अगस्त को भारत का दौरा करेगी। इस देना प्राथमिकता है। इससे पहले दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता पर बातचीत का पिछला दौर वाशिंगटन में हुआ था, जहां भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी।

महिला स्वयं सहायता समूहों को बैंकों ने दिया 11 लाख करोड़ से ज्यादा का ऋण: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दीनदयाल राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत औपचारिक वित्तीय संस्थानों के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को अब तक 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जा चुका है। यह उपलब्धि समावेशी ग्रामीण विकास, महिलाओं के वित्तीय सशक्तीकरण और ग्राम स्तर पर आत्मनिर्भरता की दिशा में मोदी सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।शिवराज सिंह ने मीडिया से कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय-डीएवाई-एनआरएलएम के तत्वावधान में देशभर की ग्रामीण गरीब महिलाएं मजबूत सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से अपनी आजीविका को सशक्त बना रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें बिना

कोलैटरल, ब्याज सब्सिडी एवं अन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर अपनी आय में वृद्धि करने में सक्षम हो रही हैं। 98 प्रतिशत से भी अधिक की उच्च पुनर्भुगतान दर से यह स्पष्ट होता है कि यह प्रयास विश्वास, अनुशासन और प्रबंधन में मिसाल बना है। उन्होंने बैंकिंग समुदाय के समर्थन की सराहना करते हुए कहा कि हमारे बैंकिंग पार्टनर्स ने करोड़ों ग्रामीण महिलाओं के सपनों को साकार करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। बैंक सखियों के अथक प्रयासों ने स्वंय सहायता समूह - बैंक लिंकेज को सुगम बनाया है और समय पर ऋण पुनर्भुगतान सुनिश्चित किया है। उन्होंने बताया कि बैंकिंग साझेदारी का मुख्य योगदान यह है कि प्राथमिक क्षेत्र ऋण के अंतर्गत स्वंय सहायता समूह को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही बैंक खातों की आधार व मोबाइल सीडिंग और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने का काम भी किया जा रहा है। शिवराज ने कहा कि पुनर्भुगतान व्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है।

बैंक सखियां का योगदान यह हो रहा है कि वे लेन-देन, ऋण आवेदन, दस्तावेज़ीकरण में सहायता प्रदान कर रही हैं। साथ ही वित्तीय जागरूकता, बीमा, पेंशन आदि योजनाओं की जानकारी देने में भी मददगार साबित हो रही हैं। इसके अलावा समुदाय आधारित पुनर्भुगतान तंत्र को मजबूत करना और समय पर ऋण वसूली सुनिश्चित करना, ये भी इस महत्वपूर्ण योजना के तहत सुनिश्चित किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही लखपति दीदी जैसी पहल आज ग्रामीण भारत की लाखों महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बदल रही हैं।

स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी

मंबई। स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड (सिस्कोल) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड (सिस्कोल) का 10 रुपये अंकित

मूल्य वाला यह आईपीओ 96 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयरों और 1.42 करोड़ इक्विटी शेयरों के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण है। डैम कैपिटल एडवाइजर्स इसके लिए एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। स्टील इंफ्रा सॉल्यूशंस कंपनी लिमिटेड इस इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग वडोदरा, हैदराबाद और भिलाई में स्थित विनिर्माण सुविधाओं के विस्तार के लिए करेगी।

अल्ट्रावायलेट ने जयपुर में लॉन्च किया अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटर

एजेंसी

जयपुर। परफॉर्मेंस आधारित इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी अल्ट्रावायलेट ने जयपुर में अपने पहले अत्याधुनिक एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया। यूरोप में हाल ही में किए गए वैश्विक लॉन्च के बाद भारत में कंपनी का यह नया केंद्र उसके विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है। यह सेंटर इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में अल्ट्रावायलेट की तकनीकी दक्षता, नवाचार और ग्राहकों को सशक्त अनुभव प्रदान करेगा। जयपुर में स्थापित यह एक्सपीरियंस सेंटर 'नेशनल टायर सेंटर' के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है, जिसे 'यूवी स्पेस स्टेशन' नाम दिया गया है। यह सेंटर ग्राहकों को कंपनी की प्रमुख परफॉर्मेंस मोटरसाइकिलों - एफ77 माक 2 और एफ77 सुपरस्ट्रीट - का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करेगा। सेंटर को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि ग्राहक टेस्ट राइड से लेकर बाइक की खरीद, डिलीवरी और रखरखाव सेवाओं तक की संपूर्ण प्रक्रिया एक ही स्थान पर पूरी कर सकें। यहां एक पूर्ण सुसज्जित सेवा केंद्र भी है, जो वास्तविक स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता के साथ सभी प्रकार की मरम्मत और देखरेख की ज़रूरतों को पूरा करेगा। अल्ट्रावायलेट की दोनों परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें 10.3 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक से लैस हैं, जो 30 किलोवाट यानी 40.2 हॉर्सपावर की अधिकतम पावर देती हैं। इनमें 100 एनएम का दमदार पीक टॉर्क मिलता है। ये बाइक मात्र 2.8 सेकंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ने में सक्षम हैं और इनकी अधिकतम गति 155 किलोमीटर प्रति घंटा है। दोनों मॉडलों की इ्ड्ष्ट रेंज 323 किलोमीटर तक है, जो इन्हें शहरी और लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त बनाती है। इस अवसर पर अल्ट्रावायलेट के सीईओ और सह-संस्थापक नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि जयपुर जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर में कंपनी का पहला एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित करना एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि जयपुर का स्मार्ट सिटी के रूप में तेजी से उभरना और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर बढ़ता रुझान इसे परफॉर्मेंस ईवी के लिए आदर्श बाजार बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि शहर की विकासोन्मुख दृष्टि, टिकाऊ परिवहन और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता, अल्ट्रावायलेट की भविष्य के लिए तैयार डिजाइन और तकनीकी सोच के अनुरूप है। कंपनी ने अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने के लिए तकनीकी उन्नयन भी किए हैं। हाल ही में विकसित 'तश्वह3 पावरट्रेन फर्मवेयर' और 'Ballistic+' परफॉर्मेंस संवर्धन को बिना किसी अतिरिक्त लागत के सभी पुराने और नए एफ77 ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक का पहली तिमाही में मुनाफा 48 फीसदी घटकर 1,675 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे की घोषणा कर दी है। पहली तिमाही में सालाना आधार पर पीएनबी का मुनाफा 48 फीसदी घटकर 1,675 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 3,252 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। पीएनबी ने शेयर बाजारों को बताया कि 30 जून को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का एकल शुद्ध लाभ 48 फीसदी घटकर 1,675 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान उसकी कुल आय 32,166 करोड़ रुपये से बढ़कर 37,232 करोड़ रुपये हो गई। बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 31,964 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की

इसी तिमाही में 28,556 करोड़ रुपये थी। बैंक ने कहा कि पीएनबी का परिचालन लाभ पहली तिमाही में बढ़कर 7,081 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान आवधि में यह 6,581 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, इस दौरान बैंक का कर व्यय दोगुना होकर 5,083 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,017 करोड़ रुपये था। इसके साथ ही बैंक की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पीएनबी के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही के अंत तक बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर कुल ऋण का 3.78 फीसदी रह गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4.98 फीसदी थीं। इसी प्रकार बैंक का शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.38 फीसदी रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 0.6 फीसदी था। बैंक का प्रावधान और आकस्मिक व्यय उल्लेखनीय रूप से घटकर 323 करोड़ रुपये रह गया है।

रिलायंस फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली।उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 2025 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। आरआईएल ने पिछले चार वर्षों में 67 पायदान की छलांग लगाई है। फॉर्च्यून ग्लोबल की बुधवार को जारी नवीनतम रैंकिंग के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज नवीनतम सूची में 88वें स्थार पर है। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 31 मार्च 2025 को या उससे पहले समाप्त हुए वित्त वर्षों के लिए कुल राजस्व के आधार पर कंपनियों को रैंक करती है। इस साल फॉर्च्यून की ग्लोबल 500 सूची में भारत की नौ कंपनियां शामिल हैं। इनमें से पांच सार्वजनिक क्षेत्र की और चार निजी क्षेत्र की हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम 95वें स्थान पर है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 की सूची में शामिल होने का 22वां साल है, जो भारत की किसी भी अन्य निजी क्षेत्र की कंपनी की तुलना में काफी लंबा है। फॉर्च्यून ग्लोबल ने तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र की इस कंपनी को नवीनतम सूची में 88वें स्थान पर रखा गया है, जो 2024 में 86वें स्थान से नीचे है। हालांकि, कंपनी ने पिछले चार वर्षों में 67 स्थानों की भारी बढ़त हासिल की है, जो 2021 में 155वें स्थान पर थी। इस तरह कंपनी ने पिछले चार साल में 67 पायदान की छलांग लगाई है।

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने की 80 हजार करोड़ की कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। दिन के पहले सत्र में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। दूसरे सत्र के ज्यादातर समय लिवाली का जोर बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस और बैंकिंग इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 452.24 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 451.44 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से 80 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,158 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,030 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,966 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,654 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,355 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,299 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 256.57 अंक की तेजी के साथ 81,594.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 150.89 अंक की कमजोरी के साथ 81,187.06 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 430 अंक से ज्यादा उछल कर 281.01 अंक की बढ़त के साथ 81,618.96 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में हुई मुनाफा वसूली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 140 अंक लुढ़क कर 143.91 अंक की मजबूती के साथ 81,481.86 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 69.30 अंक उछल कर 24,890.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। बिकवाली के दबाव में निफ्टी 49.15 अंक की कमजोरी के साथ 24,771.95 अंक तक गिर गया।

Param Sundari की नई रिलीज डेट का ऐलान, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर का गाना भी हुआ रिलीज

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अपनी मच अवेटेड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं. इस फिल्म की रिलीज डेट का ऑफिशियल ऐलान कर दिया गया है. बीते काफी दिनों से फिल्म की रिलीज डेट को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आ रही थीं. लेकिन अब ये फिल्म 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है. मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट के साथ-साथ एक नया मोशन पोस्टर और गाना भी शेयर किया है.

वीडियो की शुरुआत सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर के नए पोस्टर से होती है. मेकर्स ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी, दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स की फ़िल्म परम सुंदरी, तुषार

जलोटा द्वारा निर्देशित, सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर स्टारर 29 अगस्त को रिलीज़ हो रही है. सिर्फ एक घंटे में, 2025 के लव सॉन्ग परदेसिया के साथ इस प्रेम कहानी की हर धड़कन और हर भावना को महसूस करें.

मेकर्स ने बदली फिल्म की रिलीज डेट

मेकर्स ने न केवल फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की है, बल्कि उन्होंने 'परम सुंदरी' का पहला गाना भी रिलीज कर दिया है. फिल्म का मोशन पोस्टर और गाना लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है. बता दें, सैयारा की शानदार की सक्सेस को देखते हुए परम सुंदरी के मेकर्स ने अपनी फिल्म की रिलीज डेट को बदल दिया. हालांकि परम सुदंरी के अलावा और भी कई डायरेक्टर्स ने अपनी फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किए हैं.

फिल्म का गाना परदेसिया रिलीज

परम सुंदरी के गाने परदेसिया में सिद्धार्थ और जान्हवी के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है. दोनों के बीच की नोक-झोंक भी फैन्स को काफी पसंद आ रही हैं. जान्हवी का साउथ इंडियन लुक उनपर काफी जच रहा है. परदेसिया को सोनू निगम और कृष्णकली साहा ने अपनी आवाज में गाया है. वहीं, फेमस म्यूजिक डायरेक्टर सचिन-जिगर की जोड़ी ने इसे डायरेक्ट किया है और लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं.

किसकी वजह से बॉलीवुड में आए थे शाहरुख खान? इस करीबी शख्स के लिए बदला था अपना फैसला

हिंदी सिनेमा के इतिहास के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक माने जाने वाले शाहरुख खान ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत दूरदर्शन के टीवी सीरियल के जरिए की थी. इसके बाद वो बॉलीवुड में आ गए थे. हालांकि कभी उनका बॉलीवुड में आने का कोई इरादा नहीं था. वो टीवी पर ही काम करना चाहते थे, लेकिन फिर क्यों अभिनेता ने अपना इरादा बदल लिया और वो क्या वजह थी कि छोटे पर्दे से उन्हें बड़े पर्दे का रुख करना पड़ा?

शाहरुख खान बॉलीवुड में 33 सालों से एक्टिव हैं. उन्होंने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत साल 1992 की फिल्म 'दीवाना' से की थी. ऐसा करते ही उन्हने अपनी दिवंगत मां लतीफ फातिमा खान के सपने को पूरा करने की शुरुआत कर दी थी. क्योंकि उनकी मां चाहती थी कि उनका बेटा बॉलीवुड में काम करे और सुपरस्टार बने.

मां के लिए बॉलीवुड में आए थे शाहरुख

शाहरुख ने 'आप की अदालत' में बताया था कि शुरू से ही वो एक्टर बनना चाहते थे और जब ये बात वो लगों को बताते थे तो सब उन्हें मजाक में लेते थे. लेकिन, उनकी मां ही थी जो उन पर भरोसा जताती थीं और कहती थीं कि वो अपने जीवन में बड़ा नाम कमाएंगे. शाहरुख से जुड़ा एक बड़ा खुलासा उनके दोस्त विवेक वासवानी ने भी अपने एक इंटरव्यू में किया था.

विवेक वासवानी ने सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया था कि शाहरुख टीवी सीरियल में काम कर रहे थे, तब उनकी मां की तबीयत खराब हो गई थी. उन्होंने विवेक को अपनी मां के ऑर्गन फेलियर के बारे में बताया था. इसके बाद शाहरुख की मां तलीफ का साल 1991 में निधन हो गया था.

'मां का सपना था कि मैं सुपरस्टार बनूं...'

मां के निधन के बाद अपने घर दिल्ली गए शाहरुख बाद में वापस मुंबई आ गए थे. विवेक ने आगे कहा था, एक दिन वो आए और कहा मैं फिल्में करना चाहता हूं. मैंने कहा, लेकिन तुम तो सिर्फ टीवी पर काम करना चाहते थे. फिल्मों में नहीं. इसके बाद अभिनेता ने कहा था, मैं इसलिए फिल्में करना चाहता हूं, क्योंकि मेरी मां का सपना है कि मैं सुपरस्टार बनूं. शाहरुख ने फिर बॉलीवुड में कदम रखा और वो आज तक सुपरस्टार के रूप में पहचाने जाते हैं.

'उनके जैसा कोई नहीं...' इस दिग्गज एक्ट्रेस की तारीफ करते नहीं थके थे सलमान खान

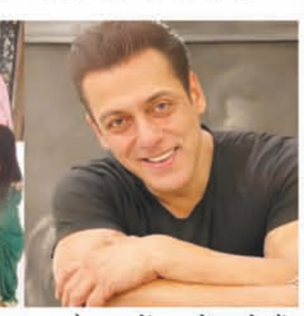

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के लाखों चाहने वाले हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से देश दुनिया में खास पहचान बनाई है. फैंस के साथ ही इंडस्ट्री के भी कई सेलेब्स सलमान खान को काफी पसंद करते हैं और अक्सर उनकी तारीफ करते हैं. वहीं सलमान को भी जिनका काम पसंद आता है तो अभिनेता उनकी तारीफ करने में भी बिल्कुल नहीं हिचकिचाते. एक बार सलमान ने दिवंगत और दिग्गज एक्ट्रेस श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की थी.सलमान खान हमेशा से ही श्रीदेवी के काम के मुरीद रहे हैं. श्रीदेवी ने इंडस्ट्री में जो हार्डवर्क और डेडिकेशन दिखाया है उसने सलमान को भी हैरान कर दिया था. एक अवॉर्ड शो के दौरान सलमान ने श्रीदेवी की तारीफ में कहा था कि उनके जैसा लीजेंड इस इंडस्ट्री में कोई नहीं है और न कोई आएगा.

'300 फिल्में करना बहुत मुश्किल है'

साल 2017 में जी सिने अवॉर्ड के दौरान सलमान ने श्रीदेवी को स्टेज पर इनवाइट करने से पहले उनकी तारीफ में जमकर कसीदे पढ़े थे.

सलमान ने श्रीदेवी के बतौर लीड एक्ट्रेस 300 फिल्में करने पर हैरानी जताई थी. अभिनेता ने कहा था, शाहरुख खान हैं, आमिर खान हैं, अक्षय कुमार, ऋतिक रोशन और मैं हूं. अगर हम सबकी फिल्में आप जोड़ भी लें तो करीब 275 होंगी. हमारी फिल्म इंडस्ट्री में एक लीजेंड है निहायती खूबसूरत, हार्डवर्किंग, प्रोफेशनल. उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस 300 फिल्में की हैं. ये बहुत ही मुश्किल है.

'उनके जैसा कोई नहीं...'

सलमान ने आगे कहा था, वो कभी मां बन जाती हैं. कभी चार्ली चैपलिन बन जाती हैं. सोचिए अगर वो ये डिसीजन नहीं लेती कि उनको फिल्मों में काम करना है तो इस इंडस्ट्री का क्या होता? मुझे नहीं लगता कि हमारी इस हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस लीजेंड जैसा कोई आया है और न कोई आएगा और वो नाम है श्रीदेवी.

2018 में हो गया था एक्ट्रेस का निधन

श्रीदेवी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत चार साल की उम्र में ही कर दी थी. साउथ से लेकर हिंदी सिनेमा तक में उन्होंने अपने नाम का जलवा बिखेरा था. श्रीदेवी ने 'हिम्मतवाला', 'चांदनी', 'जुदाई', 'मिस्टर इंडिया', 'इंग्लिश विंग्लिश' सहित कई बेहतरीन फिल्में दी थीं. एक्ट्रेस का साल 2018 में दुबई में निधन हो गया था.

एक-दो बार मैंने उसके... श्वेता तिवारी के साथ मारपीट पर क्या बोले उनके एक्स हसबैंड राजा चौधरी? हुआ खुलासा

'कसौटी जिंदगी की' जैसे फेमस सीरियल में बतौर लीड एक्ट्रेस काम कर चुकीं श्वेता तिवारी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. सालों पहले उन्होंने अपने पहले पति राजा चौधरी पर आरोप लगाया था कि उनके साथ घरेलू हिंसा हुई है और उसके बाद उन्होंने राजा को तलाक दे दिया था. राजा की 7 साल की बेटी को लेकर श्वेता अकेले रहने लगी थीं और फिर बाद में उन्होंने दूसरी शादी अभिनव कोहली से कर ली थी, लेकिन सालों बाद अब राजा चौधरी ने खुलासा किया है कि उन्होंने श्वेता से कोई घरेलू हिंसा नहीं की थी, बल्कि वो ही प्रताड़ित हुए थे.हिंदी रश को लगभग 1 महीने पहले राजा चौधरी ने एक इंटरव्यू दिया था. इसी में उन्होंने श्वेता के साथ अपने रिश्ते बनने और उसके बिगड़ने की कहानी बताई थी. राजा से जब पूछा गया कि श्वेता ने उनके ऊपर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था तो इसपर राजा चौधरी ने अपना पक्ष रखा. आइए आपको बताते हैं श्वेता पर हुए घरेलू हिंसा के बारे में राजा चौधरी ने क्या कहा था?

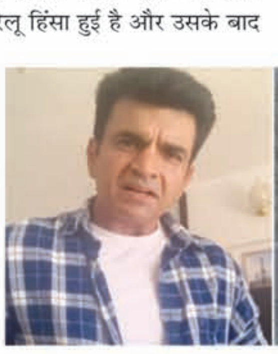

राजा चौधरी ने की थी श्वेता तिवारी से मारपीट?

राजा से सवाल हुआ था कि जब आपके और श्वेता तिवारी के बीच सबकुछ खराब चल रहा था तो क्या उस बीच आपने उनके साथ मारपीट की थी? इसपर राजा चौधरी ने जवाब दिया था, 'कोई फीजिकल वॉयलेंस नहीं हुआ था, ना मैंने उनसे मारपीट की थी. वो एक दो बार उसके घर के दरवाजे जरूर तोड़े हैं मैंने जाकर. वो भी तब की बात थी जब हम लोग अलग-अलग हो ही चुके थे. वो भी मेरी ही बेवकूफी थी या शायद वो लोग ज्यादा कर रहे थे. उन लोगों का कहना था कि वो अंदर नहीं आएगा बाहर ही खड़ा रहेगा. अरे दरवाजा खोल दो इज्जत से बात करके आदमी चला ही जाएगा ना. लेकिन नहीं दरवाजा बंद कर लिया जाता था ना बात करने देते थे ना बेटी से मिलने देते थे.'

इसके बाद राजा से फिर सवाल किया गया, 'जब भी आप अपना साइड रखने आते थे तो आपको लगता है कि आपकी गलती होती थी, हालात आपके साथ नहीं देते थे या आप उस हालत में नहीं होते थे कि आप अपनी साइड ठीक से रख पाएं या लोगों का नजरिया ऐसा हो गया था कि वो राजा को गलत ही देखना चाहते थे?' इसपर राजा चौधरी ने कहा था, 'लोगों के सामने ऐसा दिखाया गया कि राजा गलत साबित हो गया.

एक तो सड़क पर गड्ढों की भरमार, ऊपर से बेतरतीब पार्किंग बढ़ा रही परेशानी

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

जिला कांगडा के नूरपुर उपमंडल के प्रमुख व्यावसायिक कस्बा जसूर में धमेटा और गंगथ की ओर जाने वाली सड़क दयनीय हालत में है। तो बही जसूर मैन चौंक मे पडे. गड्ढे हादसो न्योता दे रहे है । तो बही तीन सालो से राष्ट्रीयमार्ग का बन रहा जसूर फलाईओबर आम जनता व व्यापारियों के लिए सिरदर्द बना हुआ है । आलम यह है कि यहां हर वाहन चालक को बड़े-बड़े गड्ढों के बीच से गुजरना पड़ रहा है। वहीं सड़क किनारे खड़े बेतरतीब वाहन समस्या को और बढ़ा रहे हैं। अगर बात की जाए तो जसूर से धमेटा और गंगथ को जोड़ने वाली सड़क मुख्य बाजार से लेकर गंगथ चौक तक पूरी तरह गड्ढों से भरी पड़ी है। इस मार्ग पर रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। इन गड्ढों की वजह से कई हादसे भी हो चुके हैं और कई वाहन क्षतिग्रस्त भी हुए हैं।स्थानीय निबासी एवं व्यापारियों का कहना है कि हैरानी इस बात की है कि इस मार्ग से स्थानीय प्रशासन व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित कई जनप्रतिनिधि गुजरते हैं लेकिन इनमें से किसी ने भी इस सड़क को ठीक करवाने की जहमत नहीं उठाई। दूसरी ओर सड़क किनारे खड़े बेतरतीब वाहन परेशानी को दोगुना कर देते हैं। वाहन चालक बिना किसी डर के सड़क के दोनों ओर गाड़िया खड़ी कर जाते हैं,

साथ ही बस चालक अपनी मनमानी से बस को खड़ी रखते हैं जिस कारण अक्सर यहां जाम की स्थिति बन जाती है आम लोगो व अन्य दुकानदारों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि जल्द इस मार्ग को ठीक किया जाए साथ ही यहां बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुधारा जाए।इस मामले मे उपमण्डलाधिकारी अरुण शर्मा का कहना है इस बारे मे सम्बंधित विभाग को ठीक करने के आदेश दिए गये है । बरसात के कारण थोड़ी मुश्किल हो रही है । जल्द ही इस सड़क को ठीक कर दिया जाएगा ' ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के लिए पुलिस को कहा जाएगा

आला कत्ल एक ईंट के साथ काबू

प्रयागराज। सरायइनायत पुलिस द्वारा हत्या की घटना का अनावरण करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल एक ईंट बरामद किया है। 29 जुलाई को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामापुर निवासी गुलाब वनवासी के थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत रिंग रोड स्थित कान्हा मोटर पार्किंग के पास के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना प्राप्त हुई । इस सूचना पर सहायक पुलिस आयुक्त थरवई एवं थाना प्रभारी सरायइनायत द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया।

गुलाब वनवासी को तत्काल उपचार हेतु सीएचसी बनी कोटवां ले जाया गया जहां डाक्टरों द्वारा उसे एसआरएन प्रयागराज रेफर कर दिया गया था। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । शव के पंचायतनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेज कर पोस्टमार्टम कराया गया।

न्यूज फ्लैश

सुल्याली का राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय: ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं का नया आदर्श

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवा की दिशा में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय सुल्याली एक नई मिसाल कायम कर रहा है। व्यवस्था परिवर्तन करने वाली सरकार में यह आयुर्वेदिक चिकित्सा में आधुनिकता और प्राचीन परंपराओं के पुनरुत्थान का केंद्र बन गया है। लोगों का कहना है कि इसको विकसित करने का श्रेय पूर्व कांग्रेस विधायक अजय महाजन को जाता है' प्रदेश में पपरोला आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के बाद नूरपुर विधानसभा क्षेत्र में व्यवस्था परिवर्तन करने वाली सरकार में यह दूसरा संस्थान है जहाँ रात्रि सेवाएँ भी दी जा रही हैं' व्यवस्था परिवर्तन करने वाली सरकार हिमाचल प्रदेश में आयुर्वेद को महत्व देने वाली पहली सरकार है जो इसकी जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। आज के दौर मे विशेषज्ञ चिकित्सकों और समर्पित पैरामेडिकल स्टाफ की बदौलत यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों की पहली पसंद बन चुका है।पंचकर्म चिकित्सा में इस संस्थान ने एक विशेष पहचान बनाई है जिसने इसे क्षेत्र के अन्य संस्थानों से अलग दर्जा दिलाया है। यहाँ आने वाले रोगी केवल शारीरिक उपचार ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और समग्र स्वास्थ्य का अनुभव लेकर लौटते हैं ' इस आधुनिक अस्पताल में प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों का पुनरुत्थान चिकित्सालय ने हाल ही में आयुर्वेद की कुछ प्राचीन पद्धतियों को फिर से प्रभावी रूप में लागू किया है' इस संस्थान में पंचकर्म विधि से सफलतापूर्वक उपचार किया जाता है। अर्श शल्य विशेषज्ञ चिकित्सक डॉक्टर के रिटायर होने के बाद अभी तक यह पोस्ट खाली पड़ी है क्षेत्र के लोगों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है की पोस्ट को अर्श शल्य विशेषज्ञ चिकित्सक के पद को तुरंत भरा जाए ताकि क्षेत्र के लोगो को शल्य चिकित्सा का इस संस्थान में लाभ मिल सके ' हिमाचल प्रदेश में यह संस्थान जिला कांगड़ा और चंबा के लोगों के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हुआ है ' इस मामले मे उप मंडलीय आयुष चिकित्सा अधिकारी आयुष विभाग डॉक्टर शरद चंद्र त्रिवेदी ने बताया कि इस अप मंडली क्षेत्र में नूरपुर इंदौर फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र आते हैं' जिसमे 1 एक अस्पताल 10 बेड सुलयाली व आयुष मान आरोग्य मंदिर 20 व आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र8 आते हैं' जिनकी कुल संख्या29 संस्थान हैं' त्रिवेदी ने बताया कि सुलायली संस्थान में एक होमियोपैथिक ओपीडी जारी है

रेल विभाग में वैतोर पॉइंट्समैन 40 वर्ष अपनी सेवाएं देने के बाद हुए सेवानिवृत

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप (नगरोटा)

जयकरण रेल विभाग में वैतोर पॉइंट्समैन 40 वर्ष अपनी सेवाएं देने के बाद नगरोटा सूरियां से रेलवे स्टेशन सेवानिवृत हुए इस अवसर पर उन्हें रेलविभाग के कर्मचारी द्वारा बहुत ही सुंदर विदाई पार्टी दी गई इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी कल्पना देवी परिवार के सदस्यों के अलावा उनके रिश्तेदार व दोस्त भी थे जय करन ने इस अवसर पर आए हुए अपने सभी रिश्तेदारों दोस्त रेल विभाग से इंस्पेक्टर राकेश शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे आए हुए सभी? कर्मचारीको कांगड़ी धाम दी गई

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने की सारंगनाथ महादेव की पूजा

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता ने शुक्रवार को वाराणसी के सारनाथ स्थित सारंग नाथ महादेव के दर्शन पूजन कर अनुकम्पा और समृद्धि की कामना की।

भाजपा प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता ने आज यहां के सारंगनाथ महादेव मंदिर में धोती धारण कर पूजा अर्चना की और भगवान शिव को मदार की माला, दूध और जल अर्पित किया। मंदिर में दर्शन पूजन के बाद गुप्ता ने कहा कि बाबा भोलेनाथ की दिव्य, भव्य, अलौकिक पावन नगरी वाराणसी में आज सारंगनाथ महादेव मंदिर में दर्शन पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सारंग नाथ महादेव की कथा यहां के लोग सुनते हैं जो श्री काशी विश्वनाथ बाबा से जुड़ी है। इससे पहले भाजपा नेता गुप्ता ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, बाबा काल भैरव मंदिर और संकट मोचन हनुमान मंदिर में भी दर्शन पूजन किया। इस दौरान उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में भी कुछ समय बैठकर साधना भी की।

धारकलां के निकट भारी भूस्खलन से तीन घंटे जाम, श्री मणिमहेश यात्रा पर भी असर

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

अर्द्ध पहाड़ी क्षेत्र धार कलां में लगातार हो रही भारी बरसात के कारण राष्ट्रिय राज मार्ग पठानकोट -डलहौजी चंबा पर दुनेरा से एक किलोमीटर दूर भारी भूस्खलन के कारण लगभग तीन घंटे राष्ट्रिय राज मार्ग पर वाहनों का जाम लगा रहा। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की तरफ से दो जेसीबी मशीने लगाकर उक्त स्थान पर पड़े मलबे को हटाने का कार्य किया जा रहा है। इस लगे भारी जाम में एक रोगी वाहन में चंबा लेकर जा रहे बीमार व्यक्ति को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। श्री मणिमहेश की पवित्र यात्रा भी इस माह शुरू हो गई है। स्थनीय लोगों का केहना है की दुनेरा से कटोरी बंगला तक भारी बरसात के कारण आये दिन इस तरह से पहाड़ का मलबा सड़को पर आ जाता है जिस से यात्रा करने वाले व्यक्तियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है । इस बरसात के मौसम में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को चाहिए की श्री मणिमहेश यात्रा के दौरान उनकी तरफ से दुनेरा से कटोरी बंगला तक स्थाई रूप में जेसीबी मशीन चालक को इस कर्तव्य को निभाने के लिए स्थापत करे ता की वाहन चालकों को कोई भी परेशानी से जूझना ना पड़े ।

उलेखनीय है की इस राष्ट्रिय राज मार्ग पर कटोरी बंगला से कुछ किलोमीटर दुरी पर केरु पहाड़ नामक स्थान पर हिमाचल लोक निर्माण विभाग की तरफ से दिनरात एक जेसीबी मशीन खड़ी रेहती है ताकि पहाड़ से मलबा गिरने से वाहन चालकों को किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

किशोर के साथ कुकर्म करने वाला टेनरी संचालक और उसका मैनेजर गिरफ्तार

कानपुर। जाजमऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत किशोर के साथ कुकर्म करने के आरोप में टेनरी मालिक और उसके मैनेजर को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को सोशल मीडिया पर किशोर के साथ कुकर्म करते हुए का एक वीडियो वायरल हुआ था। बच्चे के विरोध करने पर आरोपितों ने बेल्टों से उसकी पिटाई कर दी थी। यह जानकारी एसीपी कैंट आकांशा पांडेय ने दी। चकेरी के जीएस टावर निवासी टेनरी संचालक असलम का एक किशोर के साथ कुकर्म करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बच्चे ने बताया कि आरोपित और उसका मैनेजर सरफराज उर्फ विक्की पैसों और खाने का लालच देकर कुकर्म करने करता था। विरोध करने पर दोनों ने बच्चे की पिटाई भी कर दी। पीड़ित ने घटना की सारी सच्चाई अपनी मां को बताई। इसके बाद मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित असलम और उसके मैनेजर सरफराज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

नारी सशक्तिकरण से सशक्त भारत: विकसित भारत की ओर एक कदम विषय पर प्रेरणादायक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिल्ली : नारी सशक्तिकरण से सशक्त भारतः विकसित भारत की ओरद्व विषय पर आधारित एक प्रेरणादायक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन 31 जुलाई 2025 को डॉ. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक किया गया। यह आयोजन लुंबराम चौधरी सांसद (लोकसभा), जालोर-सिरोही, राजस्थान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय सांसद बिजुली कलिता मेधी (गुवाहाटी, असम), सांसद कमलेश जांगड़े (छत्तीसगढ़) एवं माननीय सांसद लुंबराम चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम का समापन केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बामनिया की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में न केवल आयोजन को संबोधित किया, बल्कि नारी सशक्तिकरण के महत्व पर जोर देते हुए उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया। उनके विचारों ने यह स्पष्ट किया कि जब तक समाज की आधी आबादी को समान अवसर नहीं मिलते, तब तक कोई भी राष्ट्र पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो सकता। यह आयोजन हर दृष्टिकोण से प्रेरणादायक, जानकारीवर्धक और ऊर्जा से भरपूर रहा। पूरे भारत से हजारों की संख्या में विद्यार्थियों, युवा प्रोफेशनल्स, शिक्षकों, महिला वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, स्टार्टअप प्रतिनिधियों, घरेलू महिलाओं और समाजसेवियों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगोष्ठी में चर्चा के दौरान कई जीवन बदलने वाली कहानियाँ सामने आईं, जिन्होंने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। प्रदर्शनी स्टॉल्स पर तकनीकी नवाचार, सामाजिक पहल, महिला नेतृत्व की सफलता की कहानियाँ और सरकारी योजनाओं की प्रगति को देखकर आगंतुकों में गहरी समझ और गर्व की भावना उत्पन्न हुई। कार्यक्रम में उमड़ी उत्साही भीड़ न केवल उत्साहवर्धक रही, बल्कि यह जनसहभागिता महिलाओं के नेतृत्व में विकास के प्रति जनता के विश्वास का प्रमाण भी बनी।

विधायक मलेंद्र राजन ने मलोट इंडस्ट्रियल एरिया में की उद्यमियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश की इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने आज मलोट इंडस्ट्रियल एरिया में संचालित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के उद्यमियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षा, श्रमिक कल्याण और निर्धारित मानकों के पालन से जुड़े विषयों पर अपने सुझाव रखे विधायक राजन ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार का उद्देश्य है कि युवाओं को रोजगार के अवसर उनके घर-द्वार पर उपलब्ध कराए जा सकें। इसके लिए राज्य में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं और निवेश को सरल बनाने हेतु सिंगल विंडो प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिससे उद्यमियों को विभिन्न अनुमतियाँ और स्वीकृतियाँ एक ही स्थान पर सुगमता से प्राप्त हो सकें बैठक में डीएसपी ने कहा कि सभी उद्योगों में बाहरी राज्यों के कार्यरत श्रमिकों का रिकॉर्ड संबंधित पुलिस स्टेशन में दर्ज होना चाहिए' अग्निशमन विभाग ने उद्योगों से फायर सेफ्टी नियमों का पूर्ण पालन करने का आग्रह किया, वहीं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने पर्यावरणीय मानकों के प्रति सजग रहने पर जोर दिया। श्रम विभाग ने श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला।विधायक मलेंद्र राजन ने स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि इससे सामाजिक स्थायित्व भी सुनिश्चित होगा।

उन्होंने प्रशासन और उद्योगपतियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए एक समन्वय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा, जो समय-समय पर बैठक कर समस्याओं का समाधान करेगी' इस अवसर पर विधायक ने हाल ही में मंडी जिले में हुई भीषण वर्षा से उत्पन्न आपदा का उल्लेख करते हुए उद्यमियों से आपदा प्रभावितों की सहायता में आगे आने का आग्रह किया।उद्योगपतियों ने बैठक के आयोजन के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि वे सभी विभागीय मानकों का पालन करते हुए अपने उद्योगों को जिम्मेदारी के साथ संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस बैठक में एसडीएम डॉ सुरिंद्र ठाकुर,डीएसपी संजीव, जीएम इंडस्ट्री ओम प्रकाश जरियाल, एक्सईएन पॉल्यूशन कंट्रोल वरुण गुप्ता, ईओ इंडस्ट्री कुशल धीमान, लेबर ऑफिसर अमित चौधरी, लेबर इंस्पेक्टर ऋषभ चौधरी,पोंग बांध निदेशक विशाल ठाकुर,मेंबर सेक्रेटरी नितिन सहित विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के उद्यमी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता की मौजूदगी में लगे 'कांग्रेस जिंदाबाद' के नारे, कार्यकर्ताओं में मचा घमासान

दिव्य दिल्ली : ऊषा जरियाल (ज्वाली)

ज्वाली विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक असहज स्थिति तब पैदा हो गई जब एक बायरल वीडियो में जब पार्टी के ही एक पूर्व भाजपा प्रत्याशी संजय गुलेरिया की मौजूदगी में कार्यकताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी के समर्थन में नारे लगाए गए। यह घटनाक्रम तब हुआ जब भाजपा के पूर्व प्रत्याशी ने मसतगढ़ में स्थानीय लोगों से एक बैठक की ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान कुछ कार्यकताओं ने अचानक "कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद" के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे मौके पर मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकताओं में हड़कंप मच गया। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा खेमे में हलचल तेज हो गई है। कई नेताओं ने इसे पार्टी के अनुशासन के खिलाफ बताया है और इसकी जांच की मांग की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम आगामी चुनावों से पहले भाजपा के लिए चिंता का कारण बन सकता है, खासकर तब जब कार्यकर्ता स्तर पर असंतोष की आवाजें उभरने लगें।

प्रदेश सरकार व प्रशासन से लेटलतिफी के आगे जमीन तो क्या अपना अशियाना भी नही बचा पाया नौ सेना का जवान

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर देश की सीमायो पर रखबाली करने बाला नौसेना का एक जवान प्रद?श सरकार और प्रशासन की लेटगति के चलते अपनी जमीन और मकान सब कुछ से खो बैठा है पिछले 6 सालो से अपनी जमीन व अशियाने को बचाने के लिए नौसेना का यह जवान हर किसी के आगे गुहार लगाता रहा पर आपदा प्रभावितो का सहारे का अराप जपने बाली प्रदेश सरकार व प्रशासन को शायद आज तक इस सैनिक का दर्द महसूस नही हुआ और अब दो दिनो से हुई तेज वारिश ने इस नौसेना के जवान के अशियाने को भी निगल लिया है । नौसेना जवान की जमीन और इस अशियाने को बचाने के कोई प्रबंध करने की बजाए प्रशासन व सरकार राहत राशी जारी करने के लिए पिछले 6 सालो से अशियाने के गिरने का इंतजार करती रही' यह किस्सा जिला कांगडा के उपमंडल नूरपुर की डन्नी पंचायत के गांव-खड़ेतर की ?18 अगस्त 2019 को भारी बरसात के कारण हुए भूस्खलन के कारण पहाड़ खिसकने से खड़ेतर गांव के नौसेना का जवान सुरम सिंह को भयानक त्रासदी से गुजरना पड़ा था। उनकी पुश्तैनी जमीन का एक बड़ा हिस्सा भूस्खलन और बाढ़ में बह गया, जिसमें उनकी गोशाला भी शामिल थी। इस त्रासदी के बाद जब्बर खड्ड का रुख भी बदलकर उनके घर की ओर मुड़ गया था। जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई। गत मगंलवार से हो रही भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से सैनिक सुरम सिंह का घर भूस्खलन की चपेट मे आने से आधा गिर कर पानी में बह गया। घर के मुखिया बुद्धि सिंह के बेटे नौसेना के जवान सूरम सिंह ने बताया कि उन्होंने और उनके परिवार ने राहत पाने के लिए लगातार छह साल तक संघर्ष किया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है।

चौगान बाजार के व्यापारी और जनता बारिश में निर्माण कंपनी के मलबे को लेकर परेशान

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर फोरलेन निर्माण कंपनी के कार्यों को लेकर के नूरपुर चौगान के व्यापारियों ने आज भारी रोष जताया ' इन लोगों का कहना है कि आखिरकार क्षेत्र के किसी भी राजनीतिक नेता ने इन लोगों की जटिल समस्या को प्रशासन से राहत दिलाने के लिए कुछ नहीं किया' कभी भी बारिश होती है तो फोरलेन निर्माण कंपनी का मलवा निकासी न होने का कारण शहर की तरफ इस बाजार में मिट्टी को साथ लेकर के आता है लोगों की दुकानों में पानी बढ़ जाता है' इस मामले में नगर परिषद के कुछ नगर पार्षदो के घर भी शामिल है जो इस कारण दुखी है ' बारिश में नेशनल हाईवे का मलवा सड़कों पर आने से लोगों की दुकानों में सड़क पर वहने वाला पानी मिट्टी के साथ आ रहा है और फोरलेन निर्माण कंपनी की हालत ऐसी है कि व्यापारी व जनसमुदाय रो रहे हैं और कंपनी वाले नीरो की तरह बांसुरी बजा रहे हैं जैसे रोम जल रहा था ' यह किस्सा नूरपुर नगर परिषद के वार्ड 2व 1 व 3 का है ' इस मामले में कुछ वद्धि जीवी वर्ग ने बताया कि इसका कारण फोरलेन निर्माण कंपनी जो सड़क निर्माण हेतु बना रही है उसके मलवे के लिए वारिस मे पानी की निकासी न होने के कारण सारा मलवा मिट्टी सहित पानी के साथ नगर परिषद के चौगन बाजार में उसे जगह आ रहा है जो पठानकोट मंडी राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर स्थित है' फोरलेन निर्माण कंपनी की इस लापरवाही से पठानकोट मंडी राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर स्थित चौगन बाजार में यातायात भी अवरुद्ध हो रहा है और मिटटी सडक पर जमा हो रही है'

वारिस के वाद जेसीबी मशीन के द्वारा मलवे को इसलिए हटाया जा रहा है की कोई दुर्घटना ना हो' एक तरफ भारी बरसात में इस मामले में सभी लोग परेशान हैं' संबंधित विभाग व प्रशासन चुप है' शायद उसको इस बात की जानकारी ना हो जबकि सरकारी तंत्र के कई अधिकारियों की गाड़ियां यहां से निकलती हैं उसमें विधायक महोदय व पूर्व मंत्री भी शामिल है लेकिन जनता की आवाज को किसी ने नहीं सुना यह लोगों की जुबान पर एक प्रश्न है ' लोगों का कहना है कि विधायक सरकार का प्रतिनिधि होता है तो आखिर किसको सुनाएं दर्द अपना जाकर ' उधर लोगों का यह भी कहना है कि विधायक के प्रतिनिधि भी चौगन में रहते हैं आखिरकार उन्होंने क्यों नहीं विधायक को बताया?

कुछ सूत्रों से पता चला है कि यह क्षेत्र नगर परिषद क्षेत्र में आता है आखिरकार निर्माण करने वाली कंपनी ने बरसात से पहले इस मलबे को क्यों नहीं उठाया?ऐसी अनेको प्रश्न जनता की जवान पर चर्चित हैं क्या कागजों में मलवे की निकासी हो गई है?

आखिरकार लोगों को किस बात की सजा मिल रही है क्या केंद्र व प्रदेश सरकार जनहित मे लोगों की समस्या का समाधान करेगी? क्या इस मामले में फोर लाइन निर्माण कंपनी की कारगुजारी पर कोई कार्यवाही करेगी? ऐसे अनेको प्रश्न जनता की जुबान पर चर्चित है क्षेत्र मे!

बीएचयू शिक्षक आवासीय परिसर की छत से कूदीं सहायक प्रोफेसर की पत्नी, मौत

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर स्थित शिक्षक आवासीय परिसर के छठी मंजिल की छत से एक सहायक प्रोफेसर की पत्नी ने शुक्रवार को छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना पाकर लंका पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

मिली जानकारी के अनुसार केरल के निवासी रविंद्रनाथ चौधरी आईआईटी बीएचयू के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं।प्रोफेसर चौधरी परिसर स्थित जीटीएफआरसी बिल्डिंग हैदराबाद कॉलोनी के छंठवी मंजिल पर परिवार के साथ रहते हैं। आज सुबह लगभग 07 बजे उनकी पत्नी हरिता चौधरी (42) छत पर पहुंचीं और अचानक नीचे कूद गईं। आसपास मौजूद लोगों के शोर मचाने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने गंभीर रूप से घायल हरिता चौधरी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार हरिता चौधरी पिछले एक साल से अवसादग्रस्त (डिप्रेशन) थीं। उनका इलाज चल रहा था। बीएचयू पुलिस चौकी प्रभारी के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज

पुलिस मुठभेड़ : दो गौ तस्कर घायल,1 अन्य गिफ्तार

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के थाना कादीपुर क्षेत्रान्तर्गत पुलिस और गौस्करों की गुरुवार देर रात मुठभेड़ हो गयी। इसमें दो गौतस्कर घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल मे भर्ती कराया है। कुल तीन गौतस्करों को गिफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात कादीपुर पुलिस को सूचना मिली कि कुछ गो तस्कर मुड़िला बाजार से थाना कादीपुर की तरफ जा रहे हैं।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397